दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 76 | ग्वालियर, बुधवार 5 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना सेंट्रल विस्टा, टीकाकरण, ऑक्सीजन पर बात

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर ध्यान देने की बजाय टीकाकरण, ऑक्सीजन की कमी और आर्थिक सहायता देने की मांग की. राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, 13450 करोड़ रुपये सेंट्रल विस्टा के लिए. या 45 करोड़ भारतीयों का पूरी तरह से टीकाकरण.

नई दिल्ली। देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच राहुल गांधी ने टीकाकरण, ऑक्सीजन की कमी और लोगों की बिगड़ी आर्थिक स्थिति को लेकर पीएम मोदी निशाना साधा हैं. राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर ध्यान देने की बजाय टीकाकरण, ऑक्सीजन की कमी और आर्थिक सहायता देने की मांग की. राहुल गांधी ने ट्वीट कर

कहा, 13450 करोड़ रुपये सेंट्रल विस्टा के लिए. या 45 करोड़ भारतीयों का पूरी तरह से टीकाकरण. या एक करोड़ ऑक्सीजन सिलेंडर्स या दो करोड़ परिवारों को ह्ळ्ङ्ग के तहत 6000 हज़ार रुपये. लेकिन प्रधानमंत्री का अहंकार लोगों की ज़िंदगियों से बड़ा है. बता दें इससे पहले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को एक बार फिर नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि ÷कई निर्दोष लोग÷ कोविड इंफेक्शन के करण जिंदगी की लड़ाई हार रहे हैं. उन्होंने कहा कि महामारी के सर्वनाश को रोकने का एक मात्र तरीका है लॉकडाउन, कमजोर वर्गों के लोगों को एनवाईएवाई योजना के संरक्षण दिया जाए और एक तत्काल पूर्ण लॉकडाउन लगाया जाए. उन्होंने ट्वीट किया कि भारत सरकार को यह समझ नहीं आ रहा है. कोरोना के प्रसार को रोकने का एकमात्र तरीका एक पूर्ण लॉकडाउन है . भारत सरकार की निष्क्रियता कई निर्दोष लोगों को मार रही है. राहुल गांधी, जो केरल के वायनाड से लोकसभा सांसद हैं, ने देश में कोविड 19 महामारी से निपटने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की है. बता दें कि भारत में कोविड-19 के एक दिन 3,57,229 नए मामले आए और 3,449 लोगों ने जान गंवायी. इसके साथ ही संक्रमण के कुल मामले 2,02,82,833 हो गए और मृतकों की संख्या 2,22,408 पर पहुंच गई.

न्यूज ट्रैक

कोरोना महामारी के चलते आईपीएल 2021 स्थगित, खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करेगा बोर्ड

नई दिल्ली। जैव सुरक्षित वातावरण(बायो बबल) में कोविड-19 के कई मामले पाए जाने के कारण पिछले लगभग एक महीने से सुचारू रूप से चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) 2021 को मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। टूर्नामेंट स्थगित होने के बाद बोर्ड ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसके लिए खिलाड़ियों और स्टाफ की सुरक्षा सर्वोपरि है। बोर्ड ने कहा कि बीसीसीआई खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अपनी तरफ से हर तरह के प्रयास करेगा। आईपीएल में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों के खिलाड़ी हिस्सा लिए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कहा, यह मुश्किल समय है, विशेषकर भारत में और हमने कुछ सकारात्मकता और खुशी लाने की कोशिश की, लेकिन अब जरूरी है कि टूर्नामेंट निलंबित किया जाए और हर कोई इस मुश्किल दौर में वापस अपने परिवार और प्रियजनों के पास चला जाए। इसमें कहा गया है कि बीसीसीआई खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और आईपीएल के आयोजन में शामिल अन्य भागीदारों की सुरक्षा से समझौता नहीं करना चाहता। यह फैसला सभी हितधारकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर किया गया है। लीग के चेयरमैन बृजेश पटेल ने कहा कि हम अगले उपलब्ध समय में इस प्रतियोगिता का आयोजन करने की कोशिश करेंगे, लेकिन इस महीने ऐसी संभावना नहीं है। यह घोषणा सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर अमित मिश्रा के मंगलवार को कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद की गई। वहीं बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, हम देखेंगे कि क्या साल के दौरान बाद में हमें आईपीएल आयोजन के लिए कोई उपयुक्त समय मिल सकता है। यह सितंबर हो सकता है लेकिन अभी यह केवल कयास होंगे। अभी की स्थिति यह है कि हम टूर्नामेंट का आयोजन नहीं कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एल बालाजी तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजों संदीप वॉरियर और वरुण चक्रवर्ती के परिणाम भी पॉजिटिव आए थे। इससे पहले संक्रमण बढ़ने के कारण दो आईपीएल मैचों को स्थगित कर दिया गया था।

बिहार में 15 मई तक लॉकडाउन रहेंगी ये सख्त पाबंदियां, जानिए क्या खुलेगा और क्या रहेगा बंद

पटना। कोरोना के बढ़ते मामलों और मौतों के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 15 मई तक लॉकडाउन का ऐलान किया है। बिहार में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए नीतीश सरकार ने 15 मई तक लॉकडाउन लगाने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वयं ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उनके निर्देश पर गृह विभाग ने विस्तृत मार्ग निर्देशिका जारी कर दी है। आइए जानते हैं कि इस निर्देशिका के तहत बिहार में लॉकडाउन के दौरान कौन सी सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं। इस दौरान क्या-क्या खुला रहेगा और क्या पूरी तरह बंद रहेगा। गृह विभाग ने चार मई को जारी अपने विस्तृत आदेश में कहा है कि कोरोना वायरस जनित महामारी की दूसरी लहर से देश के कई राज्यों सहित बिहार में भी मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। इसे ध्यान में रखते हुए आपदा प्रबंध समूह की बैठक में राज्य में कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि राज्य में संक्रमण की दर पिछले एक हफ्ते से लगातार 10 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा

ममता बनर्जी ने बुलाई अहम बैठक

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी की सरकार बनने के लिए तैयार है. राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मद्देनजर निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एक अहम बैठक बुलाई है. इस मीटिंग में मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और कोलकाता के पुलिस कमिश्नर मौजूद रहेंगे. गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के एक दिन बाद व्यापक पैमाने पर हिंसा देखने को मिली है, जिसमें कथित तौर पर झड़प और दुकानों को लूटे जाने के दौरान कई भाजपाइयों की मौत हो गई और कई घायल हो गए. राज्य सरकार से केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटना में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है. एक पार्टी कार्यालय में बीजेपी ने कथित आगजनी का

वीडियो साझा किया है, जिसमें बांस की बल्लियां और छत जलती हुई नजर आ रही है और परेशान लोगों को चिल्लाते हुए भागते देखा जा सकता है. सोशल मीडिया पर मृत व्यक्तियों की तस्वीरें और एक दुकान से कपड़े लूटकर भागते लोगों की फुटेज वायरल हो रही. हालांकि, हिंसा के बाद तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि उनका पश्चिम बंगाल में ऐसी घटनाओं से कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया. नताबाड़ी में भाजपा उम्मीदवार मिहिर गोस्वामी की कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया. यह घटना उस समय घटी, जब चुनाव आयोग ने घोषणा की कि गोस्वामी ने राज्य के मंत्री और वरिष्ठ टीएमसी नेता रवींद्रनाथ घोष को हराकर जीत दर्ज की है.

बंगाल में हुई हिंसा पर पीएम मोदी ने राज्यपाल धनखड़ से की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा पर चिंता और दुख व्यक्त किया है. प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को प्रदेश के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को फोन करके कानून और व्यवस्था कि स्थिति पर चिंता और दुख व्यक्त किया और उनसे कानून एवं व्यवस्था बहाल करने को भी कहा है.धनखड़ ने एक ट्वीट में बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें राज्य में खतरनाक चिंताजनक कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए फोन किया था, जहां वोटिंग के दौरान विधानसभा चुनाव के रुझानों और परिणामों के समय रविवार शाम को कई हिस्सों में हिंसा देखने को मिली थी. बंगाल के कई हिस्सों में आगजनी और हिंसा की खबरें सामने आने के बाद मोदी ने राज्यपाल धनखड़ से बात की.पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि पीएम ने फोन किया और गंभीर रूप से चिंताजनक कानून और व्यवस्था की स्थिति पर अपनी गंभीर पीड़ा और चिंता व्यक्त की. मैंने गंभीर चिंताओं को साझा किया, यह देखते हुए कि हिंसा, बर्बरता, आगजनी, लूट और हत्याएं बेरोकटोक जारी हैं.

कोरोना के टीके हमें जल्दी न लगे तो बंद कर देंगे काम, पायलटों ने मैनेजमेंट को दी धमकी

मुंबई। एयर इंडिया एयरबस पायलट ने अपने मैनेजमेंट को चेतावनी दी है कि यदि उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कोरोना के टीके नहीं लगे तो वे काम बंद कर देंगे। पायलटों की यूनियन इंडियन कॉमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन ने मैनेजमेंट को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि एयर इंडिया की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर वैक्सीनेशन कैंप लगाकर क्रू मेंबर्स को टीके नहीं लगाए गए तो वे काम बंद कर देंगे। डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस को चिट्ठी लिखकर एयर इंडिया के पायलटों से कहा है कि मैनेजमेंट की ओर से उन्हें फ्रंटलाइन वर्कर मानते हुए वैक्सीन नहीं लगवाई जा रही है। पायलट एसोसिएशन ने कहा कि बड़ी संख्या में क्रू मेंबर्स कोरोना पॉजिटिव हुए हैं और ऑक्सीजन सिलेंडरों के लिए तड़प रहे हैं।

पूर्व सीएम रमन सिंह बोले- राहुल गांधी इतना कन्फ्यूज्ड आदमी है कि...

रायपुर। देश में एक बार फिर कोरोना तेजी से फैल रहा है. कई राज्यों में आक्सीजन की कमी से हाहाकार मचा हुआ है. देश में बढ़ते कोरोना के मामलों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार पर हमलावर हैं. इस पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने राहुल गांधी के ट्वीट पर पलटवार किया है. रमन सिंह ने कहा कि राहुल गांधी इतना कन्फ्यूज्ड आदमी है कि देश कभी सीरियसली नहीं लेता है. राहुल गांधी कभी लॉकडाउन का विरोध करते थे, लेकिन आज लॉकडाउन की मांग कर रहे हैं.

छत्तीसगढ़ में कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि दुर्भाग्य जनों की स्थिति है, मैं तो पूरे छत्तीसगढ़ में हर किसी से बात करता हूं. जशपुर, कोरिया, बलरामपुर से लेकर पूरा सरगुजा में जिस तेजी के साथ कोरोना के आंकड़े बढ़ रहे हैं. रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा यहां पर इंफ्रास्ट्रक्चर था. बिलासपुर संभाग के हाल और बुरे हैं वहां इंफ्रास्ट्रक्चर है ही

नहीं. इसके लिए कोई कार्ययोजना अभी तक नहीं बनी है. गड्ढा हुआ तभी कुंआ खोदो. पूर्व सीएम ने आगे कहा कि अगर सरकार के वेबसाइट के हिसाब से चलें तो वेंटिलेटर, ऑक्सीजन, बेड सब कुछ खाली बताते हैं. सुबह से शाम हम लोग लगे रहते हैं एक बेड नहीं मिलता है. 18 साल यानी 18 साल इसमें कोई कैटेगरी नहीं होनी चाहिए. वैक्सीनेशन सभी को मिलना चाहिए सभी को वैक्सीन लगनी चाहिए. आपको बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र सरकार के लकवाग्रस्त पॉलिसी को लेकर सरकार पर हमला किया था और कहा था कि सरकार को इसका सामना करना चाहिए और ना की धोखेबाजी करनी चाहिए. राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा था कि भारत सरकार की लकवाग्रस्त नीति वायरस पर विजय नहीं दिला सकती. इसका सामना करो. इसे धोखेबाजी मत करो. राहुल गांधी ने अपने दूसरे ट्वीट में लिखा कि मर गए या मारे गए? उनके परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना. 'सिस्टम' के जागने से पहले कितना अधिक दुख? वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि भारत 3,68,147 नए मामले और 3,417 की मौत हुई है. यह लगातार 12वां दिन है जब भारत में 3 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए जबकि पिछले छह दिनों में 3,000 से अधिक लोगों की जान गई है. भारत के कोविड-19 मामलों की कुल संख्या अब 1,99,25,604 है, जिसमें 34,13,642 सक्रिय मामले हैं और अब तक कुल 2,18,959 मौतें हुई हैं.

कोरोना पर राहुल गांधी ने मोदी सरकार बोला हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के लकवाग्रस्त पॉलिसी को लेकर सरकार पर हमला किया है और कहा कि सरकार को इसका सामना करना चाहिए और ना की धोखेबाजी करनी चाहिए. राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि भारत सरकार की लकवाग्रस्त नीति वायरस पर विजय नहीं दिला सकती. इसका सामना करो. इसे धोखेबाजी मत करो. राहुल गांधी ने अपने दूसरे ट्वीट में लिखा कि मर गए या मारे गए? उनके परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना. 'सिस्टम' के जागने से पहले कितना अधिक दुख? वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि भारत 3,68,147 नए मामले और 3,417 की मौत हुई है. यह लगातार 12वां दिन है जब भारत में 3 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए जबकि पिछले छह दिनों में 3,000 से अधिक लोगों की जान गई है. भारत के कोविड-19 मामलों की कुल संख्या अब 1,99,25,604 है, जिसमें 34,13,642 सक्रिय मामले हैं और अब तक कुल 2,18,959 मौतें हुई हैं.

चुनाव नतीजों के बाद हो रही हिंसा पर पीएम नरेंद्र मोदी ने जताई चिंता, राज्यपाल से की बात

नई दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद खूनी खेल शुरू हो गया है. राज्य में कई जगहों पर राजनीतिक हिंसा की घटनाएं हो रही हैं. जगह जगह तोड़फोड़ और आगजनी हो रही है तो घरों में घुसकर लोगों को मारा-पीटा जा रहा है. लूटपाट की जा रही है तो कई लोगों को मौत के घाट भी उतार दिया गया है. इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसाओं के साथ राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर दुख जताया है. प्रधानमंत्री ने बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ से फोन पर बात करते हुए हालात पर चिंता व्यक्त की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोन पर बातचीत की जानकारी राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने खुद दी है. उन्होंने मंगलवार दोपहर को ट्वीट करते यह जानकारी दी. उन्होंने ट्वीट में लिखा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज फोन पर बात कर बंगाल में जारी हिंसा को लेकर चिंता व्यक्ति की है. मैंने पीएमओ को हिंसा संबंधी बर्बरता, आगजनी की गंभीर चिंताओं को साझा किया है.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोन: 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

भारत के बंटवारे में हुई थी ऐसी हिंसा, हम जंग को तैयार

बंगाल पहुंचकर बोले बीजेपी चीफ जेपी नड्डा

> मैं अब दक्षिण 24 परगना जाऊंगा और बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलूंगा, जिनकी हिंसा में जान गई है। जेपी नड्डा के साथ बीजेपी के सीनियर लीडर कैलाश विजयवर्गीय और भूपेंद्र यादव भी बंगाल पहुंचे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद जो हुआ है, उन घटनाओं से हम चिंतित हैं।

कोलकाता। चुनाव नतीजों के बाद से जारी हिंसा के बीच बीजेपी चीफ जेपी नड्डा पश्चिम बंगाल पहुंच गए हैं। कोलकाता में एयरपोर्ट पर उतरते ही जेपी नड्डा ने टीएमसी को हिंसा पर चेतावनी देते हुए कहा कि हम लोकतांत्रिक तरीके से लड़ाई के लिए तैयार हैं। जेपी नड्डा ने कहा, वैचारिक लड़ाई के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। टीएमसी की गतिविधियां असहिष्णुता से भरी हुई हैं। उसके मुकाबले के लिए हम लोकतांत्रिक तरीके से लड़ने को तैयार हैं। मैं अब दक्षिण 24 परगना जाऊंगा और बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलूंगा, जिनकी हिंसा में जान गई है। जेपी नड्डा के साथ बीजेपी के सीनियर लीडर कैलाश विजयवर्गीय और भूपेंद्र यादव भी

बंगाल पहुंचे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद जो हुआ है, उन घटनाओं से हम चिंतित हैं और सदमे में हैं। मैंने ऐसी घटनाएं भारत के विभाजन के दौरान ही सुनी थीं। आजाद भारत में चुनाव नतीजों के बाद हमने कभी इस तरह की हिंसा नहीं देखी। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ से फोन पर बातचीत कर चिंता जताई है। यही नहीं बीजेपी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में भी अर्जी दाखिल कर हिंसा की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। बीजेपी के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शीर्ष अदालत में अर्जी दाखिल की है।

सुप्रीम कोर्ट में दायर की अर्जी, हिंसा की सीबीआई जांच कराने की मांग

गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर मांग की है कि चुनाव के बाद हुई भीषण हिंसा की सीबीआई से जांच कराई जानी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने अर्जी में सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि वह बंगाल सरकार से रिपोर्ट तलब करे कि आखिर चुनाव नतीजों के बाद हुई हिंसा को रोकने के लिए उसकी ओर से क्या कदम उठाए गए हैं। इस बीच बीजेपी कार्यकर्ता की पत्नी शेफाली दास ने कहा है कि दक्षिण 24 परगना के कई इलाकों में टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने दुकानों और घरों में तोड़फोड़ की है। शेफाली दास ने कहा, 2 मई को टीएमसी के गुंडों ने मेरे घर पर हमला क्या था क्योंकि मेरे पति बीजेपी के पोलिंग एजेंट थे।

अनुभाग के मुखिया के द्वारा कई व्यवस्थाओं की अनदेखी की जा रही है जिनमें

नगर में प्राइवेट अवैध सब्जी मंडी को अनदेखा कर संचालित कराना

केशव पार्क के बगल में प्रस्तावित सब्जी मंडी की फाइल को दबाकर रखना

भिण्ड। एसडीएम महोदय के निकलने वाले रास्ते में कई झोलाछाप डॉक्टर अपनी दुकान सजाए मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ करते हुए नजर आते हैं। इन झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिकों पर धड़ल्ले से लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ होते देखना। इन झोलाछाप डॉक्टरों के लाइसेंस चेक करने की कभी हिमाकत न करना। अधिकारी व कर्मचारियों को मुख्यालय पर रुकने के भिण्ड कलेक्टर के आदेश का जानबूझकर पालन न कराना। ग्वालियर से अप डाउन करने वाले अधिकांश लोगों का कोरोना पोजिटिव निकलना जिनमें कोर्ट, तहसील व अन्य विभाग सम्मिलित हैं। फिर भी आप-डाउन करने वालों को खुली छूट देना।

गोहद अनुभाग में एकमात्र शासकीय अस्पताल होने के बावजूद भी अस्पताल में कोविट वार्ड व कोविट सेन्टर का न होना ना ही इसके लिए कोई प्रयास करना। वैसे तो इस अस्पताल में कोई व्यवस्थाएं नहीं है। दूसरी ओर यहां पर पदस्थ डॉक्टरों का रवैया व व्यवहार मरीजों के प्रति अच्छा नहीं है। नगर मैं कोरोना संक्रमित मरीजों का खुलेआम घूमना। इन मरीजों की देखरेख के लिए लगाई गई कर्मचारियों की ड्यूटी का पालन न होना नगर पालिका परिषद में लगभग 400 से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी हैं जिनमें से अधिकांश ग्वालियर भिंड से अप डाउन कर नौकरी करते हैं जिसमें नगर पालिका के मुखिया सीएमओ रामप्रकाश जगनेरिया भी शामिल हैं। इन 400 कर्मचारियों में कई कर्मचारियों को खांसी, जुकाम और कोरोना जैसे सिम्टम्स होने के बावजूद भी उनकी पीसीआर जांच ना कराना। नगर के किसी भी वार्ड मैं कोरोना महामारी से बचाव के लिए सैनिटाइजेशन एवं मच्छरों के प्रकोप से बचाने के लिए फॉगिंग मशीन से फॉगिंग न कराना। मध्यप्रदेश शासन एवं केंद्र सरकार के द्वारा 3 माह व 2 माह का खाद्यान्न निशुल्क प्रदाय किया जाना है। जिसमें कई कंट्रोल संचालक फूड अधिकारी से सांठगांठ कर घालमेल कर रहे हैं इस ओर ध्यान न देना। जैसे कि फरवरी माह से जून माह के खाद्यान्न में कंट्रोल संचालकों के द्वारा गेहूं के स्थान पर केवल ज्वार वितरित करना। लोगों की शिकायत के बाद भी उन्हें गेहूं नहीं दिया गया। अनुभाग में एकमात्र अस्पताल होने के बावजूद भी कोरोना सिम्टम्स वाले रोगियों की सैंपलिंग न होना सैंपल के लिए जाने वाले मरीजों से सैंपल लेने से मना करना। अनुभाग में एसडीएम एवं नगर पालिका सीएमओ अपने ए.सी. चैम्बरों से बाहर नहीं निकलते नगर में क्या हो रहा है क्या नहीं हो रहा उन्हें कुछ नहीं पता पिछले दिनों प्राइवेट सब्जी मंडी की जानकारी लेने पर एसडीएम महोदय अपने कार्यालय के पास की सब्जी मंडी भी नहीं बता पाए। गोहद का पूरा अनुभाग केवल पुलिस प्रशासन के भरोसे छोड़ दिया गया है कहां क्या हो रहा है कहां क्या नहीं हो रहा है। राजस्व विभाग, नगरी प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग को कोई जानकारी नहीं।

इनका कहना है

अप्रैल व मई माह का खाद्यान्न लेने में कंट्रोल पर गया तो मुझे एक किलो चावल एवं चार किलो ज्वार प्रति व्यक्ति माह के हिसाब से राशन दिया गया। इसी प्रकार अन्य हितग्राहियों को भी ज्वार दी गई गेहूं नहीं दिया गया। फरवरी माह से कंट्रोल पर ज्वार दी जा रही है।
अमित खान दिव्यांग, व वीपीएल कार्डधारक नगरवासी गोहद

आज में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद में कोविड का सेम्पल देने गया था लेकिन मेरा सेम्पल लेने से मना कर दिया कहा गया यहाँ कोविड सेम्पल लेना बंद कर दिया है ऊपर से आदेश आया है।
कल्पित जैन, स्थानीय निवासी गोहद

जिलाधीश के आदेशानुसार कोई भी अधिकारी व कर्मचारी अप डाउन नहीं करेगा परंतु अधिकारी व कर्मचारियों का ग्वालियर से निरंतर अपडाउन किया जा रहा है जिससे संक्रमण होने की आशंका अधिक है मैंने अप डाउन रोकने के लिए एसडीएम महोदय से बात की थी। लेकिन अभी तक उस पर एसडीएम ने कोई कार्यवाही नही की उधर कोविड पॉजिटिव मरीज व उनके परिजन खुलेआम बाजार में घूम रहे है उस पर प्रशासन का ध्यान नही है। जिससे संक्रमण फैलने का भय व्याप्त है। अस्पताल का स्टाफ लोगो को गुमराह कर कोविड सेम्पल लेने से मना कर रहा है जो कि गलत है। गोहद के नागरिकों की सुरक्षा पहला हमारा कर्तव्य है।
विवेक जैन, अध्यक्ष भाजपा नगर मंडल गोहद

गोहद में आज 12-13 आरटीपीसीआर टेस्ट हुए हैं अपना इतना ही टार्गेट है। इसके अलावा जो लोग आते हैं उनका रैपिड एंटीजन टेस्ट करते है। जिससे 15 मिनट में रिपोर्ट आ जाती है। कल किट खत्म हो गई थी इसलिए जांच नहीं हो पाई आज किट आ गई है जांच चालू है। कोविट वार्ड जिले में है इसके अलावा और कहीं नहीं है।
शुभम शर्मा, एसडीएम गोहद

एसडीएम काम नहीं कर रहे है मैं दिखवा लूंगा
डॉ सतीश कुमार एस भिण्ड कलेक्टर

पुलिस ने बचाई घायलों की जान थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा ने निजी वाहन से लोगों को भिजवाया अस्पताल बच गई जान आखिर दतिया पुलिस है जो सड़कों पर आपकी सुरक्षा के लिए

बड़ोनी थाना प्रभारी ने घायलों को तत्काल भिजवाया जिला अस्पताल

दतिया। आज दिनाँक को जब बडोनी थाना प्रभारी रविन्द्र शर्मा अपने निजी वाहन से दतिया से बडोनी की ओर आ रहे थे तभी रास्ते मे तीन लोग सड़क किनारे गंभीर अवस्था मे पड़े दिखे आस पास कुछ लोग भी खडे थे थाना प्रभारी ने तत्काल वह खडे लोगो कि मदद से घायलों को द्वह्म1 वाहन व 108 से जिला अस्पताल के लिए रवाना कराया। आस पास खड़े लोगो से घायलों कि तत्काल मदद करने व तमाशा न देखने कि अपील कि।

जिला अस्पताल में फ़ायर सेफ़्टी/इलेक्ट्रिक सेफ़्टी व्यवस्था की असेसमेंट के लिए गठित दल द्वारा किया गया निरीक्षण'

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। जिला अस्पताल में फ़ायर सेफ़्टी/इलेक्ट्रिक सेफ़्टी व्यवस्था की असेसमेंट के लिए एडीशनल कलेक्टर केवी विवेक, डिप्टी कलेक्टर विजय राय सहित गठित दल के अन्य सदस्यों ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर फ़ायर सेफ़्टी की व्यवस्था जैसे इमर्जेन्सी एग्ज़िट, कॉरिडोर में इमर्जेन्सी एग्ज़िट हेतु मार्किंग, इलेक्ट्रिक सेफ़्टी हेतु हॉस्पिटल लोड की आवश्यकता अनुसार व्यवस्था आदि सहित अन्य फ़ायर सेफ़्टी इंतेजाम का पर्यवेक्षण किया। दल द्वारा जिला अस्पताल का निरीक्षण फ़ायर सेफ़्टी/इलेक्ट्रिक सेफ़्टी के मानक बिंदुओं पर किया गया। उनके द्वारा इस अंतर्गत सुरक्षात्मक अन्य व्यवस्थाऐं करने संबंधित को निर्देश भी दिए गए।

डॉक्टर की सलाह से ही लें दवा और इंजेक्शन : नरेंद्र सिंह कुशवाह

कोविड व अन्य वार्डो का निरीक्षण कर मरोजो से पूछा हालचाल, मरीजों के साथ साथ डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ को किया प्रोत्साहित

उमाकान्त शर्मा

भिंड । जिले में विकराल रूप धारण कर रहे कोरोना व अन्य संक्रमित विमारियों के चलते जिलाचिकित्सालय में बड़े पैमाने पर जिले के अलाबा भी कई जिलों के मरीज भर्ती हैं, बहुत से लोगो के फोन कॉल सुबह से आना शुरू हो जाते हैं वो अपनी व्यथा सुनाते हैं और हम सम्भव प्रयास करते हैं कि लोगो को वेहतर उपचार मिल सके इसलिए समय समय पर हॉस्पिटल का निरीक्षण करते हैं मरीजो से उनका हालचाल पूछते हैं व डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ का भी उनके बारे जानकारी लेते रहते हैं, यह बात पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कही है। नरेंद्र सिंह ने बताया है कि गम्भीर हालात में भर्ती लोगो की कुशलक्षेम पूछने मात्र से ही उन्हें बहुत बड़ी मानसिक शांति मिलती है तथा वो अपने आप को जल्दी ठीक होने के स्वम् प्रेरित होते हैं, इसके साथ अगर डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ से समय समय पर भर्ती मरीजो और उनके स्वयं के बारे में जानकारी लेते रहने से वो तनावमुक्त हो जाते है । डॉक्टरों का कहना है कि कुछ लोग बिना डॉक्टरों के परामर्श से दवा व इंजेक्शन ले रहे है वो अनुचित है, दवा व इंजेक्शन हमेशा डॉक्टरों की सलाह पर ही लेना चाहिए ।

लॉक डाउन के चलते तहसीलदार ने किया नगर का भ्रमण

12 बजे के बाद पापुजी मोहल्ले चूड़ी मार्किट में दिखाई दी रोनक, पत्रकारों द्वारा फोन लगाने पर तहसीलदार ने नही उठाया फोन, कोरोना महामारी के संक्रमण के चलते इन दिनों श्योपुर शहर की फिजा बिगड़ी हुई है, आलम यह है कि हर घर मे लोग सर्दी जुकाम बुखार से पीड़ित दिखाई देते है

श्योपुर। जहा एहतियात के तौर पर लॉक डाउन कर्फ्यू के साथ ही किराने की दुकानों को दिन के 12 बजे तक खोले जाने की जिला प्रशासन ने अनुमति प्रदान की है मगर देखने मे आरहा है कि उक्त समय मे अन्य दुकानें भी खोली जारही है।इतना ही नही दुकानें खोलकर भीड़ भाड़ भी जुटाई जारही है।जबकि किराने की दुकान के अतिरिक्त अन्य दुकानें खोलना प्रतिबंधित है।लेकिन इसके बाद भी अन्य दुकानदार दुकानें खोल कर ग्राहकी करने से बाज नही आरहे है। जहा श्योपुर तहसीलदार द्वारा लॉक डाउन का पालन किये जाने के क्रम में मेन बाजार का भृमण भी किया गया,जहा एक ओर तहसीलदार मेन बाजार में लोक डाउन व्यवस्था का जायजा ले रहे थे,वही दूसरी ओर पापु जी मोहल्ले ओर चूड़ी बाजार में दुकानदार ग्राहकी कर रहे थे। जहा पत्रकारों द्वारा तहसीलदार को अवगत कराएं जाने को लेकर फोन भी किया गया मगर किसी कारणवश तहसीलदार फोन रिसीव नही कर सके।यही कारण रहा जहा तहसीलदार के निरीक्षण के दौरान पापुजी की गली ओर चूड़ी मार्किट में दुकानदार ग्रहाकि करते रहे।

अनुभाग के मुखिया के द्वारा कई व्यवस्थाओं की अनदेखी की जा रही है जिनमें नगर में प्राइवेट अवैध सब्जी मंडी को अनदेखा कर संचालित कराना, केशव पार्क के बगल में प्रस्तावित सब्जी मंडी की फाइल को दबाकर रखना

एसडीएम महोदय के निकलने वाले रास्ते में कई झोलाछाप डॉक्टर अपनी दुकान सजाए मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ करते हुए नजर आते हैं। इन झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिकों पर धड़ल्ले से लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ होते देखना। इन झोलाछाप डॉक्टरों के लाइसेंस चेक करने की कभी हिमाकत न करना। अधिकारी व कर्मचारियों को मुख्यालय पर रुकने के भिण्ड कलेक्टर के आदेश का जानबूझकर पालन न कराना।

अनुभवहीन एसडीएम की सुस्त कार्यप्रणाली से शहर के कभी भी बिगड़ सकते हैं हालात

प्रशासनिक अमले पर नहीं है पकड़, जिलाधीश व शासन के आदेशों का नहीं करा पा रहे पालन

गोहद। देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर से हाहाकार मचा हुआ है लाखों लोगों की जान जा चुकी हैं करोड़ों लोग इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं दिन प्रतिदिन कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या से शासन और प्रशासन के हाथ पैर फूल रहे हैं बड़े बड़े हॉस्पिटलों में ऑक्सीजन एवं रेमडेसीविर की किल्लत से हाहाकार मचा हुआ है राज्य व केंद्र सरकार लगातार भीड़भाड़ वाले आयोजन न करने की अपील कर रही है। दूसरी तरफ गोहद अनुभाग के अनुभवहीन एसडीएम इस महामारी को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। एसडीएम महोदय द्वारा अपने अनुभाग के एकमात्र अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद में इस महामारी से निपटने के लिए कोई भी इंतजाम नहीं कराए गए हैं। यहां मरीज को जरा सी भी तकलीफ होने पर ग्वालियर एवं जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया जाता है। इसके बाद भी नगर पालिका परिषद की कई फाइलें एसडीएम कार्यालय में धूल खाती हुई मिल जाएंगी। सूत्रों की माने तो यह फाइलें वजन के इंतजार में एसडीएम महोदय की टेबल पर धूल खाती हुई फिरती है। कोरोना महामारी के प्रथम चरण में तत्कालीन एसडीएम आरए प्रजापति व नगर पालिका सीएमओ सैयद रिहान अली जैदी ने फील्ड पर उतरकर जनता के बीच जाकर हर गली मोहल्ले को सैनेटाइजेशन कराया एवं फोगिंग मशीन से रोजाना नगर की गलियों में फोगिंग कराई थी। इसके अलावा जरूरतमंदों को घर-घर राशन पहुंचाया गया था। कोरोना संक्रमित क्षेत्रों को कंटेनमेंट जोन बना कर जरूरत मंदों का ख्याल रखा गया था। परन्तु वर्तमान एसडीएम शुभम शर्मा एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी रामप्रकाश जगनेरिया एसी की केबिन में बैठकर केवल कागजों में कोरोना से लड़ाई लड़ना चाहते हैं। जो कि वर्तमान परिस्थितियों को देखकर संभव नहीं लगता है। अगर यही रवैया एसडीएम रहा तो वह दिन दूर नहीं जब गोहद अनुभाग कोरोना का हॉट स्पॉट बन जाएगा। सूत्रों की मानें तो एसडीएम महोदय का पूरा ध्यान नगरपालिका की मलाईदार प्रशासक की कुर्सी पर केंद्रित है।

मंत्री तुलसी सिलावट ने इंडेक्स कॉलेज का दौरा किया'

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

इंदौर। मंत्री तुलसी सिलावट ने इंडेक्स कॉलेज में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। प्रबंधन से मिलकर उन्हें आवश्यक ताक़ीद दी। मंत्री श्री सिलावट ने यहाँ ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण भी किया। उन्होंने मरीज़ों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन को चख कर भी देखा। श्री सिलावट ने हास्पिटल परिसर में मरीज़ों के परिजनों के भोजन पानी और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की पहल भी की है। उन्होंने कहा कि यहाँ परिजनों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। मरीज़ों की देख रेख के साथ साथ परिजनों को का भी ध्यान रखा जाना ज़रूरी है।

ग्वालियर से अप डाउन करने वाले अधिकांश लोगों का कोरोना पोजिटिव निकलना जिनमें कोर्ट, तहसील व अन्य विभाग सम्मिलित हैं। फिर भी आप-डाउन करने वालों को खुली छूट देना।

गोहद। अनुभाग में एकमात्र शासकीय अस्पताल होने के बावजूद भी अस्पताल में कोविट वार्ड व कोविट सेन्टर का न होना ना ही इसके लिए कोई प्रयास करना। वैसे तो इस अस्पताल में कोई व्यवस्थाएं नहीं है। दूसरी ओर यहां पर पदस्थ डॉक्टरों का रवैया व व्यवहार मरीजों के प्रति अच्छा नहीं है।

जिले में कोरोना की चैन तोड़ने के लिए अधिकारी वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुये हर क्षेत्र में सर्तकता बरतें

गौरव शर्मा की रिपोर्ट

मुरैना। किसी भी स्थिति में जिले में कोरोना के कैश बढ़ना नहीं चाहिए । डोर टू डोर संपर्क कर एवं ऐसे लोगों को चिन्हित करें, जो लोग हॉम क्वारेंटाइन है उनके परिजनों में भी सिम्टम हो सकते है। उन्हे चिन्हित करें, ऐसे लोगों को भी खांशी, जुकाम, बुखार की दवाओं वाली किट प्रदान करें । ये निर्देश कलेक्टर श्री बी कार्तिकेयन ने स्वास्थ्य अधिकारियों को दिये बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव जैन, श्री एलके पाण्डेय, नगर निगम कमिश्नर श्री अमर सत्य गुप्ता, एसडीएम मुरैना सहित सीएमएचओ डा. एडी शर्मा, डीपीएम श्री श्रीवास्तव, महिला एवं विकास अधिकारी, पीडब्ल्यूडी, मध्य प्रदेश हाउसिंग वोर्ड, डॉ. अनुभा माहेश्वरी, डॉ. अजय गोयल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

कलेक्टर श्री बी कार्तिकेयन ने समीक्षा के दौरान पाया कि जिले में कितने घर और कितनी जनसंख्या है, इस पर अधिकारियों ने सटीक जवाव नहीं दिये। जबकि डोर टू डोर सर्वे का कार्य आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं एएनएम द्वारा घर घर डोर टू डोर सर्वे कर कुल कितने घर है और कितने लोग है इस पर महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती उपासना राय और सीएमएचओ डॉ एडी शर्मा जानकारी नहीं दे सके । कलेक्टर ने दोनो अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये । कलेक्टर ने कहा कि निगम क्षेत्र में वार्ड क्र.12,13,16,17,18, 21,22, 23, 33,37, 38, 42, 43 वार्डो में लगातार कोरोना के मरीज बढ़ रहे है इसका मतलव यह है कि जो लोग घरो में होम आयसोलेट हो रहे है वे लोग परिवार के अन्य लोगों को संक्रमित कर रहे है उनके घरों तक आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं एएनएम की टीम सर्वे के लिए नहीं पहुंची है और ना ही सस्पेक्टेट मरीजों को सर्दी,जुकाम खांसी की दवाईयां नहीं वितरित की गई है । इस कारण उन परिवारों के लोग वाहर निकलकर अन्य लोगों को संक्रमित कर रहे है । इस प्रकार की लापरवाही आगे नहीं होना चाहिए । जो वार्ड कन्टेन्मेट जोन बने है वहां निगम की टीम सख्ती से कार्य करे। कलेक्टर ने कहा कि जो लोग पोजिटिव आ रहे है उनके यहां सुबह पर्चा चस्पा हो जाये जो लोग पोजिटिव होने वाद टीम को फोन रिसीव नही कर रहे है उनके नम्बर आर आर टी टीम को उपलब्ध करावें जिससे ये टीम किसी भी सूरत में उस व्यक्ति तक पहुंचे जो पोजिटिव आया है । कलेक्टर ने कहा कि विशेष कर शहर के वार्ड 13 में 33, वार्ड 21 में 37 और वार्ड 22 में 47 संक्रमित व्यक्ति बढे है इन वार्डो में सख्ती बढाई जाये । उन्होने कहा कि जो हॉटपॉट क्षेत्र बन रहे है वहां अधिकारी सक्ती से कार्य करें । कलेक्टर ने किल कोरोना अभियान के तहत समीक्षा की। जिसमें डोर टू डोर का कार्य पूर्ण हो जाये । जिले में कुल कितने हाउस है यह जानकारी स्पष्ट होनी चाहिए । यह कार्य एक सप्ताह में पूर्ण हो जाये । यह अभियान मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाला अभियान है । जिले में सस्पेक्टेट पोजिटिविटी 29.30 प्रतिशत है यह अच्छा नहीं है । पोजिटिविटी के हिसाव से उन सस्पेक्टिट व्यक्तियों के यहां पहुचें उन्हे दवाईयां आदि प्रदान कर चिन्हित करें । कलेक्टर ने टाउन होल में हो रहे प्रतिदिनि सैम्पलिंग की जानकारी ली । कलेक्टर ने कहा कि जिला चिकित्सालय में 251 बेड है जिनमें से 150 बैड ऑक्सीजन के है। उन्होने कहा कि जिले में प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर भी एक एक ऑक्सीजन सिलेण्डर की व्यवस्था रहे, जिसमें पोरसा, अम्बाह,जौरा, कैलारस, सबलगढ शामिल रहे । क्योंकि ऑक्सीजन लेवल कम आता है तो वहां भी ऑक्सीजन मिल सके । इसके साथ ही जिला मुख्यालय पर 12 पलंग की व्यवस्था और बढाकर देखें, इसके अलावा 30 सिलेण्डर इमरजेन्सी के लिए अलग से रख लिये जाये । कलेक्टर ने ग्लव्स, किट, दवाईयां, वेडशीट, डॉक्टर, स्टाफ नर्स आदि की स्थिति की जानकारी ली। जहां कमियां होने पर प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये।

एक नजर...

मेडिकल ऑक्सीजन उत्पादन के लिये मिलेगी विशेष वित्तीय सहायता

रितेश कटरे

बालाघाट। राज्य शासन ने प्रदेश में मेडिकल ऑक्सीजन की क्षमता वृद्धि के लिये प्रोत्साहन हेतु इकाईयों को विशेष वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है। इस संबंध में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन के प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ल ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के सचिव, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध संचालक तथा सभी कलेक्टरों को सूचित किया है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ल ने बताया कि प्रदेश में पात्र इकाई जिनकी उत्पादन क्षमता न्यूनतम 10 क्यूबिक मीटर प्रति घंटा ऑक्सीजन उत्पादन की होगी, को यंत्र एवं संयंत्र तथा भवन (भूमि एवं रिहायशी इलाकों को छोड़कर) में किये गये पूंजी निवेश पर 50 प्रतिशत की स्थिर दर से मूल निवेश प्रोत्साहन सहायता देय होगी। उक्त सहायता की अधिकतम सीमा 75 करोड़ रूपये होगी। पात्र इकाईयों को प्रचलित विद्युत टेरिफ पर एक रूपये प्रति यूनिट की छूट दी जायेगी। उक्त छूट एमपीईआरसी द्वारा दी जा रही छूट, यदि कोई हो, के अतिरिक्त एक रूपये प्रति यूनिट होगी। इसकी प्रतिपूर्ति एमएसएमई या एमपीआईडीसी द्वारा पात्र इकाईयों को की जायेगी। इस सुविधा का लाभ वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ दिनांक से 3 वर्ष की अवधि के लिये प्राप्त हो सकेगा। प्रमुख सचिव श्री शुक्ल ने सभी कलेक्टरों से कहा है कि प्रदेश में मेडिकल ऑक्सीजन की उत्पादकता बढ़ाने के लिये अपने जिले में स्थित ऑक्सीजन उत्पादक इकाईयों, ऑक्सीजन उपकरण निर्माता इकाईयों, बड़े निजी अस्पतालों एवं इच्छुक उद्यमियों को मेडिकल ऑक्सीजन की उत्पादक इकाईयाँ स्थापित करने के लिये प्रेरित करें।

अधिमान्य पत्रकारों को लगा टीका

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को फ्रंट लाइन वर्कर की श्रेणी में शामिल किया हैं। जिसके अंतर्गत भिण्ड कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशानुसार जिले के अधिमान्य पत्रकारों को कोविड वैक्सीन का टीकाकरण प्रारम्भ कर दिया गया है।आज जिले के कई अधिमान्य पत्रकारों ने टीकाकरण केन्द्र पहुँच कोविड वैक्सीन का टीकाकरण करवाया।

एक लाख 69 हजार 852 कोरोना मरीजों तक पहुँची मेडिकल किट

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में एक लाख 69 हजार 852 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 3 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक व होम डिलीवरी के माध्यम से एक लाख 69 हजार 852 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705 , 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, एक मई को 10 हजार 253 , 2 मई को 9 हजार 112 और 3 मई को 8 हजार 439 कोविड मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

सफाई कर्मचारियों को सेफ्टी किट का हुआ वितरण

भिण्ड। भिण्ड क्षेत्र के विधायक श्री संजीव सिंह कुशवाह, अतिरिक्त कलेक्टर श्री विवेक के.वी, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी भिण्ड श्री विजय राय ने नगर पालिका परिषद भिण्ड के मीटिंग हॉल में सफाई कर्मचारियों को (मास्क, ग्लब्स, सेनेटाइजर, सेफ्टी टीशर्ट, जूते) सेफ्टी किट का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सुरेंद्र शर्मा, प्रभारी एई श्री दीपक अग्रवाल, स्वास्थ अधिकारी श्री राजवीर रॉय आदि उपस्थित थे। भिण्ड विधायक श्री संजीव सिंह कुशवाह, अतिरिक्त कलेक्टर श्री विवेक के.वी, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी भिण्ड श्री विजय राय ने सभी सफाई कर्मचारीयों को कोरोना से बचाओ रखने एवं अपने-अपने वार्डों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने और सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करने की हिदायत दी गयी। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से कहा कि मास्क, ग्लब्स, सेनेटाइजर, सेफ्टी टीशर्ट, जूते पहनकर सभी वार्डो के नालो एवं नालियों में फ्नाईल का छिडकाव करें जिससे मच्छर न पनप पाए और नाले नालियों की साफ-सफाई नियमित रूप से करते रहे जिससे हमारा शहर साफ और स्वच्छ रहे।

जिला अस्पताल में फायर सेफ्टी/इलेक्ट्रिक सेफ्टी व्यवस्था की अससमेंट के लिए गठित दल द्वारा किया गया निरीक्षण

भिण्ड। जिला अस्पताल में फायर सेफ्टी/इलेक्ट्रिक सेफ्टी व्यवस्था की अससमेंट के लिए एडीशनल कलेक्टर श्री केवी विवेक, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय राय सहित गठित दल के अन्य सदस्यों ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर फायर सेफ्टी की व्यवस्था जैसे इमर्जेन्सी एग्जिट, कॉरिडर में इमर्जेन्सी एग्जिट हेतु मार्किंग, इलेक्ट्रिक सेफ्टी हेतु हॉस्पिटल लोड की आवश्यकता अनुसार व्यवस्था आदि सहित अन्य फायर सेफ्टी इंतेजाम का पर्यवेक्षण किया । गठित दल द्वारा जिला अस्पताल का निरीक्षण फायर सेफ्टी/इलेक्ट्रिक सेफ्टी के मानक बिंदुओं पर किया गया। उनके द्वारा इस अंतर्गत सुरक्षात्मक अन्य व्यवस्थाएँ करने संबंधित को निर्देश भी दिए गए।

आज से शुरु होगा 18 से 44 वर्ष के व्यक्तियों को वैक्सिनेशन वैक्सिनेशन हेतु ऑनलाइन रेजिस्ट्रेशन अनिवार्य

भिण्ड। 5 मई से 18 साल से ऊपर के लोग भी कोरोना का टीका लगवा सकेंगे। कोरोना टीका लगवाने के लिए सभी के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 18 से 44 आयु वर्ग के लोग आरोग्य सेतु ऐप या कोविन पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य कराऐ। राज्य शासन के निर्देशानुसर प्रदेश स्तर से जिले के लिए आवंटित वैक्सीन कोटा में से 5 एवं 6 मई 2021 को होने वाले टीकाकरण में 18 से 44 आयु वर्ग के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने वाले 100-100 व्यक्तियों को वैक्सीन के टीके लगाए जाएंगे। वैक्सिनेशन उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 2 में होगा।

समिती द्वारा शिक्षा हेतु 15 हजार रूपये का चेक विद्यार्थियों को सहयोग दिया श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी. विकास सेवा समिति रजि.

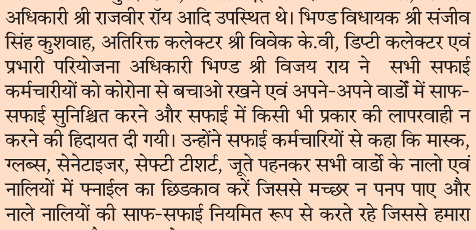

गाव वेनपुरा तहसिल सुमेरपुर मे हितेश पुत्र स्व. ताराराम गेहलोत पिताविहिन

पाली बागंड कालेज से बि.एच. सी मे उध्यनरत शिक्षा हेतु समिति द्वारा=15000 का सहयोग चेक दिया। वहा समिति के राष्ट्रिय उध्यक्षक सुजाराम गेहलोत बाली व समिति आजीवन भामाशाह वागाराम सीरवी नवागुडा व समिति के. सक्रिय कार्यकर्ता जगदिश नवागुडा व चुन्नीलाल सीरवी की मौजुदगी मे चेक दिया गया।

लगातार कम हो रही पॉजिटिविटी दर दिनों दिन मरीजों के रिकवर होने की बढ़ रही है संख्या

भिण्ड। प्रदेश में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिये किये जा रहे प्रयासों से कोरोना की पॉजिटिविटी दर लगातार कम हो रही है। प्रदेश का पॉजिटिविटी रेट 30 अप्रैल को 21.12त्न था, जो 2 मई को घटकर 20.9ç हो गया है। आज 3 मई को पॉजिटिविटी रेट और कम होकर 20.2त्न पर आ गया है। प्रदेश में प्रतिदिन पॉजीटिव केसेस की तुलना में रिकवरी अधिक हो रही है। प्रतिदिन 50 हजार से अधिक टेस्ट किये जा रहे हैं। रविवार 2 मई को 59 हजार 448 टेस्ट किये गए। सभी जिलों में सैम्पल लेने के लिये मोबाइल टीमें भी भेजी जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में प्रबंधन एवं चिकित्सकीय सुविधाओं की बढ़ोत्तरी से प्रतिदिन स्वस्थ और संक्रमण मुक्त होने वालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। दिनांक 30 अप्रैल को 13 हजार 584, एक मई को 14 हजार 562 और 2 मई को 13 हजार 890 कोरोना मरीज संक्रमण मुक्त होकर सकुशल अपने घर पहुँचे हैं। प्रदेश की रिकवरी दर 30 अप्रैल को 82.88त्न, एक मई को 83.63त्न, 2 मई को बढ़कर 84.19त्न हुई। आज प्रदेश की रिकवरी दर 84.73त्न हो गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में एक दिन में जितने लोग स्वस्थ हुए है, उनमें से 84.3त्न ऐसे मरीज है, जो होम आइसोलेशन में थे और 4त्न ऐसे मरीज हैं जो कोविड केयर सेंटर में थे। इस प्रकार 88.3त्न मरीज जो अस्पताल जाए बिना, होम आइसोलेशन और कोविड केयर सेंटर में ही स्वस्थ हो रहे हैं। शेष 11.7त्न अस्पतालों से ठीक होकर घर लौटे हैं।

होम आइसोलेशन-प्रदेश में 64 हजार 218 से अधिक रोगी वर्तमान में होम आइसोलेशन में हैं। इनमें से 97त्न मरीजों से दूरभाष पर कम से कम एक बार संपर्क किया गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में होम आइसोलेशन में रहने वाले शत-प्रतिशत मरीजों को मेडिकल किट और हेल्थ ब्रोशर की होम डिलेवरी की जा रही है।

कोविड केयर सेंटर्स-प्रदेश के 52 जिलों में 255 कोविड केयर सेंटर्स प्रारंभ किये जा चुके हैं, जिनमें मंद लक्षणों वाले रोगियों को रखा जा रहा है। इनमें वर्तमान में कुल 16 हजार 516 बेड्स हैं। इनमें से 1267 ऑक्सीजन बेड्स स्थापित किये गए हैं। इसी प्रकार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक कुल 22 हजार 10 संस्थागत कारेंटाईन सेंटर्स बनाये जा चुके हैं, जिनमें लगभग 2 लाख 63 हजार 715 से अधिक बेड्स स्थापित किये गए हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सभी कोविड केयर सेंटर्स/ संस्थागत कारेंटाईन सेंटर्स में रहने वाले शत प्रतिशत मरीजों को मेडिकल किट और हेल्थ ब्रोशर प्रदान किये जा रहे हैं।

प्रतिदिन लगभग 60 हजार हो रहे टेस्ट

अस्पताल और बिस्तर-प्रदेश में कुल 845 कोविड अस्पताल वर्तमान में संचालित हैं। इनमें से 315 सरकारी क्षेत्र में और 530 निजी क्षेत्र में संचालित किये जा रहे हैं। एक अप्रैल को प्रदेश में उपलब्ध बेड्स की संख्या 20 हजार 159 थी जो बढ़कर अब 60 हजार 550 हो गई है। प्रतिदिन एक हजार से भी अधिक बेड्स बढ़ रहे हैं। पिछले एक माह में 40 हजार से अधिक बेड्स बढ़ाये गये हैं।

रेमडेसिविर इंजेक्शन-प्रदेश में अब तक सात विभिन्न कम्पनियों से 2 लाख 10 हजार 365 रेमडेसिविर इंजेक्शन के डोजेज प्राप्त हुए हैं। 3 मई को मेसर्स सीप्ला हेल्थ केयर द्वारा गर्वमेंट सप्लाई इंदौर को 2000 यूनिट, एमजीएम इंदौर को 1500 यूनिट, उज्जैन को 1500 यूनिट और 3050 यूनिट प्राईवेट को आपूर्ति की गई एवं मेसर्स सन फार्मा द्वारा 2400 यूनिट प्राईवेट को पूरे मध्यप्रदेश में रेमडेसिविर इंजेक्शन की आपूर्ति की गई है। इसके अतिरिक्त रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता बढ़ाये जाने के लिये भारत सरकार द्वारा प्रदेश को 7 कम्पनियों से इंजेक्शन क्रय के लिये 1 लाख 89 हजार 700 रेमडेसिविर इंजेक्शन का आंवटन किया गया है।

ऑक्सीजन की उपलब्धता-केन्द्र सरकार से हो रही ऑक्सीजन की आपूर्ति के साथ प्रदेश में स्थानीय व्यवस्थाओं को बढ़ाने के प्रयास लगातार जारी हैं। प्रदेश में 2 मई को बाह्य स्त्रोतो से कुल 446.8 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई। आज प्रदेश को बाह्य स्त्रोतों से 484 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आपूर्ति होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में बड़े पैमाने पर ऑक्सीजन प्लांट लगाने का काम भी युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति को सुचारू बनाने के लिये राज्य सरकार द्वारा 2000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदे गये हैं। इसके साथ ही जिलों में स्थानीय व्यवस्था से भी लगभग 2 हजार ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स लगाए जा चुके हैं। प्रदेश के भोपाल, रीवा, इंदौर, ग्वालियर और शहडोल जिला चिकित्सालयों में एक करोड़ 60 लाख रुपये से नवीनतम वीपीएसए तकनीक आधारित ऑक्सीजन प्लांट्स लगाये जा रहे हैं। इस नवीनतम तकनीक से ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। इन प्लांट से बनने वाली ऑक्सीजन 50 बेड्स के लिए उपलब्ध हो सकेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने नवीन निवेश के लिये विशेष वित्तीय सहायता पैकेज दिए जाने के निर्देश जारी कर दिये गये है। इसके तहत मुख्यतरू प्लांट मशीनरी तथा भवन में किये गये पूँजी निवेश पर एवं 50 प्रतिशत की फ्लेट रेट से मूल निवेश सहायता अधिकतम सीमा 75 करोड़ तक देय होगी। इसके अतिरिक्त विद्युत टैरिफ मे भी रियायत दी गई हैं। रक्षा मंत्रालय की एजेंसी डीआरडीओ द्वारा अस्पताल में ही नई डेबेल तकनीक के आधार पर चलने वाले ऑनसाईट ऑक्सीजन गैस जनरेटर प्लांट विकसित किये गये हैं। प्रदेश के 8 जिलों बालाघाट, धार, दमोह, जबलपुर, बड़वानी, शहडोल, सतना और मंदसौर में 5 करोड़ 87 लाख रुपये से अधिक की लागत के डेबेल तकनीक आधारित 570 लीटर प्रति मिनट की क्षमता वाले ऑनसाईट ऑक्सीजन गैस जनरेटर प्लांट लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही 8 जिलों में भारत सरकार के सहयोग से पीएसए तकनीक आधारित 8 ऑक्सीजन प्लांट्स स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 7 प्लांट्स ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। प्रदेश के 37 जिलों के लिए राज्य सरकार स्वयं के बजट से जिला अस्पतालों में पीएसए तकनीक से तैयार होने वाले नए ऑक्सीजन प्लांट्स लगा रही है। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के बेड्स को ऑक्सीजन बेड्स में परिवर्तित करने के लिए पाइप लाइन डालने का कार्य भी युद्ध स्तर पर जारी है।

टीकाकरण-अब तक प्रदेश के हेल्थ वर्कर्स, फ्रंट लाईन वर्कर्स, वरिष्ठ नागरिक एवं 45 वर्ष से अधिक के लगभग 81 लाख 38 हजार से अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है। प्रदेश के 3 करोड़ 22 लाख से अधिक नागरिकों को टीका लगेगा। राज्य सरकार इस कार्य पर लगभग 2,710 करोड़ रुपये खर्च करेगी। कोविशील्ड वैक्सीन के 45 हजार डोज का कार्यादेश जारी कर दिया गया है।

प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों का वैक्सीनेशन 5 मई से निर्धारित दर से अधिक में जाँच के प्रकरणों में हो कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा कोविड-19 की रोकथाम एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 18 से 45 वर्ष के व्यक्तियों के निरूशुल्क वैक्सीनेशन का कार्य पाँच मई से प्रारम्भ होगा। वैक्सीनेशन के लिए 5 करोड़ 29 लाख डोजेस की संभावित आवश्यकता के दृष्टिगत दोनों वैक्सीन निर्माताओं को क्रय आदेश जारी किए गए हैं। वैक्सीनेशन के लिए डोजेस की जल्द से जल्द आपूर्ति के लिए आयात की संभावनाओं का भी परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 45 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का वैक्सीनेशन कार्य यथावत जारी रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मुख्यमंत्री निवास से कोविड-19 की रोकथाम एवं व्यवस्थाओं के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिग द्वारा कोविड कोर ग्रुप की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि ग्रामीण अंचल में होम आइसोलेशन व्यवस्था की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। पंचायत ग्रामीण विकास, वन, स्वास्थ्य विभाग का अमला और स्थानीय जन-प्रतिनिधि समन्वय और सामंजस्य बना कर व्यवस्था को पुख्ता करें। घर पर आइसोलेशन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का अभाव होने पर संक्रमित व्यक्ति को कोविड केयर सेंटर में स्थान्तरित किया जाए। आवश्यकता होने पर वाहन की व्यवस्था भी की जा सकती है। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी जाँचे निर्धारित दरों पर हों, इस व्यवस्था को कड़ाई के साथ लागू करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि निर्धारित दर से अधिक मूल्य के मामलों में कठोर कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान को बैठक में बताया गया कि प्रदेश में नये पॉजिटिव 12 हजार 72 मामले आए है। स्वस्थ होने वालों की संख्या 13 हजार 408 है। इनमें से 1505 विभिन्न चिकित्सालयों से 706 कोविड केयर सेंटर से और 11 हजार 197 होम आइसोलेशन में स्वस्थ्य हुए हैं। प्रदेश में शासकीय चिकित्सालयों में 14 हजार 88 ऑक्सीजन बेड उपलब्ध हैं। इनमें से 11 हजार 891 भरे हुए है। निजी क्षेत्र में 10 हजार 837 ऑक्सीजन बेड में से 9 हजार 390 बेड भरे हुए हैं। प्रदेश में 14 हजार 472 आइसोलेशन बेड और 1 हजार 375 ऑक्सीजन बेड शासकीय कोविड केयर सेंटर में और 621 आइसोलेशन और 68 ऑक्सीजन बेड निजी क्षेत्र के कोविड सेंटर में उपलब्ध है। शासकीय कोविड केयर सेंटर में 28 प्रतिशत आइसोलेशन बेड और 61 प्रतिशत ऑक्सीजन बेड भरे हुए है। निजी क्षेत्र के कोविड केयर सेंटर में 22 प्रतिशत आइसोलेशन बेड और 85 प्रतिशत ऑक्सीजन बेड भरे हुए हैं। प्रदेश में 42 जिला चिकित्सालयों में नई ऑक्सीजन पाइप लाइन बिछाने का कार्य तेज गति से प्रगतिरत है। कुल 2,302 आक्सीजन पाइंट में से 1,558 का कार्य पूर्ण हो गया है। शेष का निर्माण कार्य तेज गति से जारी है। इसी तरह प्रदेश के 51 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में ऑक्सीजन पाइप लाइन बिछाने का कार्य भी तीव्र गति से किया जा रहा है।

घर-घर सर्वे कर जहाँ कोरोना है उसे वहीं समाप्त कर दें सर्दी, जुकाम, बुखार के मरीजों को मेडिकल किट देकर इलाज़ प्रारम्भ करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किल कोरोना अभियान संबंधी बैठक ली

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हमें घर-घर सर्वे कर कोरोना को जहाँ है, वहीं समाप्त कर देना है। कोरोना संक्रमण को बिल्कुल भी फैलने नहीं देना है। सर्वे के दौरान जो मरीज सर्दी, जुखाम, बुखार, खाँसी के पाए जाते हैं, उनकी जाँच, चिकित्सा परामर्श दिए जाने के साथ ही तुरंत मेडिकल किट देकर उनका इलाज प्रारंभ कराया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किल कोरोना अभियान संबंधी बैठक ले रहे थे। बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, अपर मुख्य सचिव श्री मोहम्मद सुलेमान, स्वास्थ्य आयुक्त श्री आकाश त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

हर गाँव में टीम बनायें-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि अभियान के संचालन के लिए हर गाँव, मोहल्ले में टीम गठित की जाए, जिसमें सामाजिक कार्यकर्ताओं, जन-प्रतिनिधियों आदि को जोड़ा जाए।

दवाओं की कमी नहीं आनी चाहिए-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए के अभियान के अंतर्गत प्रत्येक मरीज को मेडिकल किट अनिवार्य रूप से दी जाए। दवाओं की कमी नहीं आए, यह सुनिश्चित किया जाए।

कोरोना सहायता केंद्र बनायें-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि नगरों एवं ग्रामों में लोगों को कोरोना संबंधी परामर्श देने, स्वास्थ्य जाँच आदि के लिए कोरोना सहायता केंद्र भी बनाए जायें। इनके माध्यम से मरीजों को मेडिकल किट आसानी से मिल सके।

40त्न जनसंख्या का सर्वे किया गया-अभियान के बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य आयुक्त श्री आकाश त्रिपाठी ने बताया कि किल कोरोना अभियान में प्रदेश के सभी ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में घर-घर सर्वे किया जा रहा है। अभी तक लगभग 40 प्रतिशत सर्वे पूरा कर लिया गया है।

23 नवगठित नगरीय निकायों को फायर वाहन खरीदने राशि जारीः मंत्री भूपेंद्र सिंह

भिण्ड। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि प्रदेश की 23 नवगठित नगरीय निकायों को अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए फायर वाहन क्रय हेतु 4 करोड़ 20 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। प्रत्येक निकाय को 18 लाख 75 हजार की राशि जारी की गई है। नवगठित नगरीय निकायों में सागर जिले की बांदरी, मालथौन, बिलहरा, सुरखी, भिंड जिले की रौन, सिवनी जिले की केवलारी, अशोकनगर जिले की पिपरई, रीवा जिले की डभौरा, गुना जिले की मधुसूदनगढ़, अनूपपुर जिले की बनगवां, शहडोल जिले की बकहो, उमरिया जिले की मानपुर, सिवनी जिले की छपारा, बड़वानी जिले की निवाली बुजुर्ग, ठीकरी, खरगोन जिले की बिस्टान, मंदसौर जिले की भैंसोंदा मंडी, शिवपुरी जिले की मंगरौनी, भिंड जिले की मालनपुर, हरदा जिले की सिराली, पन्ना जिले की गुन्नौर और बैतूल जिले की घोड़ाडोंगरी एवं शाहपुर नगरीय निकाय को फायर वाहन खरीदने के लिए राशि आवंटित की गई है। श्री सिंह ने बताया है कि 53 ऐसे नगरीय निकाय जहाँ पर 2012 के पूर्व फायर वाहन क्रय किए गए थे, उन्हें भी नए फायर वाहन खरीदने के लिए 9 करोड़ 93 लाख रुपये आबंटित किये गए हैं। भारत सरकार द्वारा जारी मापदंडों के अनुसार फायर वाहनों की आयु 10 वर्ष निर्धारित की गई है।

स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देने हेतु अभियान शुरू

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश शुक्ल द्वारा शासन के निर्देशानुसार जिलें की तीनों जनपदों की 225 ग्राम पंचायतों के क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना के अंतर्गत 241 स्वच्छाग्राहीयों द्वारा कोविड-19 संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देने के लिये व्यापक अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत कोविड-19 संक्रमण से ग्राम को मुक्त करने के लिये माइकिंग किया जा रहा है। जिसमें सामाजिक दूरी (दो गज की दूरी) का पालन करने, मास्क का सही तरीके से उपयोग करने, हाथ-नाक और मुँह को छूने से बचें, समय-समय पर हाथों को साबुन और पानी से धोने, खुले में ना थूकें, अपने घर एवं कार्यक्षैत्र के आस-पास को साफ सुथरा रखें, खांसने और छीकने के लिये मुंह के सामने कोहनी अथवा टिशूपेपर से ढकें। कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति को सहयोग तथा अपना टीकाकरण करावें, यह पूर्णतः सुरक्षित है। इन सभी समस्यों के संबंध में स्वच्छाग्राहीयों द्वारा चित्र बनाकर भी संदेष प्रदान किया जा रहा है। उक्त कार्य के लिये जिले पदस्थ जिला समन्वयक/ब्लॉक समन्वयक एवं संलग्न स्वच्छाग्राहीयों को राज्य शासन/यूनीसेफ की तरफ से ऑन लाइन प्रशिक्षण से प्रशिक्षित किया गया है। ज्ञात हो कि संलग्न स्वच्छाग्राहियों द्वारा ग्राम पंचायत सचिव, सरपंच, जनप्रतिनिधियों जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कोरोना मुक्त किया जाता है तो जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्राम) द्वारा गाइडलाइन व ग्राम पंचायत प्रस्ताव अनुसार प्रोत्साहन राशि प्रदान की जावेगी।

किल कोरोना अभियान के सर्वे में कार्यकर्ता निभा रही है अपनी महती भूमिका

श्योपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार किल कोरोना अभियान का द्वितीय चरण प्रदेश के सभी जिलो के साथ-साथ श्योपुर जिले में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की आगनबाडी एवं आशा कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र के घरों में डोर टू डोर जाकर हल्के जुखाम, खासी एवं बुखार वाले नागरिकों को चिन्हित कर उनका डाटा तैयार करने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करते हुए चिकित्सकों द्वारा प्रदाय की गई मेडिकल किट के माध्यम से दवाईयां उपलब्ध कराने में सहायक बन रही है।कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में कोविड-19 के मद्देनजर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रो के गठित किये गये दलों द्वारा किल कोरोना अभियान के द्वितीय चरण के सर्वे का कार्य निंरतर चल रहा है। इस कार्य को आगनबाडी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर कर रही है। जिसमें परिवार में किसी भी व्यक्ति को सर्दी, जुखाम, हल्के बुखार के लक्षण प्रतीत होने पर उनको कोरोना टेस्ट कराने की समझाइश दी जा रही है। महिला बाल विकास की आगनबाडी कार्यकर्ता श्रीमती ममता सेन ने बताया कि क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता के साथ किल कोरोना अभियान का सर्वे घर-घर जाकर कर रही हूं। सर्वे के दौरान जो भी व्यक्ति सर्दी, जुखाम और हल्के बुखार से पीडित मिलता है। उसको उपचार के साथ-साथ कोविड टेस्ट कराने की सलाह दे रही हूं। जिससे उसकी बीमारी परिवार के किसी अन्य सदस्य को नही लग पाये। साथ ही अन्य व्यक्ति भी कोविड संक्रमण का शिकार होने से बच सकें।

प्रदेश में निरंतर कम हो रहा है कोरोना संक्रमण अधिक पॉजिटिविटी वाले जिलों पर विशेष ध्यान दें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की

भिण्ड। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण निरंतर कम हो रहा है। प्रदेश की औसत साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 21.3त्न हो गई है, जो कि राष्ट्रीय औसत के बराबर है। कोरोना के नए प्रकरणों की तुलना में हमारी रिकवरी रेट निरंतर बढ़ रही है, जिससे कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान निर्देश दिए कि जिन जिलों में कोरोना की पॉजिटिविटी रेट अधिक है वहाँ पर विशेष ध्यान दिया जाए। कोरोना कर्फ्यू को और प्रभावी बनाया जाए तथा घर-घर गहन सर्वे कर एक-एक मरीज की पहचान कर उपचार किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी जिलों से प्रभारी मंत्री, कोरोना के प्रभारी अधिकारी तथा सभी संबंधित उपस्थित थे।

प्रभारी अधिकारी जिलों में जाकर व्यवस्थाएँ देखें-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि कोरोना नियंत्रण के लिए बनाए गए प्रभारी अधिकारी अपने-अपने जिलों का दौरा कर वहाँ सारी व्यवस्थाएँ देखें। कोरोना के संक्रमण को सख्ती से रोकें और इलाज की उत्तम व्यवस्था सुनिश्चित करें।

बाहर से आए पुलिस बल का स्वास्थ्य परीक्षण करें-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि बंगाल, तमिलनाडु आदि से जो हमारे पुलिस के जवान लौट कर आए हैं, उन सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। जो बीमार है उन्हें अच्छे से अच्छा इलाज दिया जाए।

सक्रिय मरीजों की संख्या 85 हजार 750-प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 85 हजार 750 है। 3 मई की स्थिति में प्रदेश में 12 हजार 72 कोरोना के नए प्रकरण आए, वहीं 13 हजार 408 मरीज स्वस्थ हुए। प्रदेश की रिकवरी रेट 84.7त्न हो गई है। मृत्यु दर 1 प्रतिशत है।

टीकमगढ़ एवं शिवपुरी में सर्वाधिक पॉजिटिविटी रेट-प्रदेश के टीकमगढ़ एवं शिवपुरी जिलों में सर्वाधिक पॉजिटिविटी रेट क्रमशः 45त्न एवं 39त्न है। इसी प्रकार सिंगरौली में 33त्न, दतिया में 33त्न, निवाड़ी में 31त्न, सीधी में 30त्न, अनूपपुर में 29त्न, ग्वालियर में 29त्न, नरसिंहपुर में 28त्न, कटनी में 28त्न, सीहोर में 27त्न, भोपाल में 26त्न, बालाघाट में 26त्न, तथा बैतूल में 26त्न पॉजिटिविटी रेट है। इन सभी जिलों में विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिए।

बुरहानपुर एवं छिंदवाड़ा में सबसे कम पॉजिटिविटी रेट-बुरहानपुर एवं छिंदवाड़ा जिलों में सबसे कम पॉजिटिविटी रेट 3त्न तथा 5त्न है। खंडवा में 6त्न, भिंड में 9त्न तथा अशोक नगर में 10त्न पॉजिटिविटी रेट है।

16 जिलों में 200 से अधिक नए प्रकरण-जिलेवार समीक्षा में पाया गया कि प्रदेश के 16 जिलों में 200 से अधिक कोरोना के नए प्रकरण आए हैं। इंदौर में 1787, भोपाल में 1669, ग्वालियर में 910, जबलपुर में 739, रतलाम में 345, रीवा में 339, सतना में 272, शिवपुरी में 252, धार में 245, मंदसौर में 241, सिंगरौली में 240, उज्जैन में 233, सागर में 230, सीधी में 216, मुरैना में 209, निवाड़ी में 204 कोरोना के नए प्रकरण आए हैं।

सम्पादकीय

वैश्वीकरण का लाभ

कहते हैं कि यदि आपने जरूरत के वक्त निस्वार्थ भाव से किसी की मदद की है, तो वह एक न एक दिन लौट कर जरूर आती है। कोविड की दूसरी लहर के भयावह आघात से जूझ रहे भारत के लिए सुकून की बात है कि हमारे विदेश मंत्री की एक अपील पर दुनिया भर के देश भारत की मदद के लिए खड़े हो गए हैं। मदद के लिए आगे आने वाले देशों की लंबी कतार में आज हमारे छोटे से पड़ोसी देश भूटान से लेकर चीन, सिंगापुर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, यूरोपीय कमीशन, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका जैसे देश खड़े हो गए हैं। हमने अमेरिका का नाम अंत में लिया, जबकि वह हमारे सबसे बड़े व्यापार साझीदारों में एक है और हम यह मानते रहे हैं कि अमेरिका हमारा सबसे बड़ा सहयोगी देश है। पिछली सदी के अंतिम दशक से अब तक भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते निरंतर प्रगाढ़तर हुए हैं। दोनों देशों में सरकारें चाहे जिस भी पार्टी की हों, द्विपक्षीय मामलों में उन्होंने लगातार आगे की ओर ही देखा है। वास्तव में यह विश्व के दो सबसे बड़े और परिपक्व लोकतंत्रों की सहज स्वाभाविक मैत्री-यात्रा थी, लेकिन गत जनवरी में अमेरिका में आई नई सरकार ने इस यात्रा में कुछ ब्रेक जैसा लगा दिया। पिछले वर्ष जब कोविड ने दुनिया के तमाम देशों को झुलसाना शुरू किया और उसकी लपेट में सबसे ज्यादा अमेरिका आया, तब भारत ने सच्चे मित्र धर्म का पालन करते हुए उसे हाइड्रोक्लोरोक्विन जैसी दवा की आपूर्ति की थी। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत का आभार प्रकट किया था और सार्वजनिक रूप से उस दवा की तारीफ की थी। उस दवा का सेवन सिर्फ ट्रंप ने नहीं, अमेरिकी जनता ने भी किया था। इसलिए इस बार भारत को उम्मीद थी कि जब संकट हमारे ऊपर आया है, तो अमेरिका बिना कहे आगे आएगा और मदद करेगा। पहले उसने 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति पर चलने का तर्क दिया और बाद में हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर की वैश्विक अपील पर भी गोलमोल-सा जवाब ही दिया, लेकिन जब रविवार की रात हमारे सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से वार्ता की, तब अमेरिका की आंखें खुलीं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को कहना पड़ा, 'जिस तरह महामारी की शुरुआत में भारत ने अमेरिका की मदद की थी, उसी तरह जरूरत की इस घड़ी में हम भारत की मदद करने को लेकर दृढ़-संकल्प हैं।'यह हृदय-परिवर्तन इसलिए हुआ कि भारत की एक अपील पर दुनिया भर के देश हमारी मदद के लिए आगे आ गए और अमेरिका की खिंचाई होने लग गई। वह अलग-थलग पड़ने लगा। यही भारत की ताकत है। 135 करोड़ भारतीयों की ताकत। आज अमेरिका भारत को कोविशील्ड वैक्सीन के उत्पादन हेतु कच्चा माल देने को तत्पर है। अनेक चिकित्सकीय साजो-सामान देने के साथ ही ऑक्सीजन निर्माण में भी सहयोग करेगा। साथ ही, विशेषज्ञों की एक टीम का भी गठन किया जा रहा है, जो जरूरी मदद करेगी। कई देश मदद को आगे आए हैं। यहां तक कि पाकिस्तान में भी भारत की मदद की जोरदार अपीलें हो रही हैं। एक-दो दिन में ही सहायता देश में पहुंच जाएगी और लगता है, तब तक हम स्वयं भी संभल जाएंगे। वैश्वीकरण के इस दौर में हम इसी तरह मिल-जुल कर इन भीमकाय चुनौतियों से दो-चार हो सकते हैं।

हमारी पकड़ से कभी न फिसलें अपनों के हाथ

सामूहिक मृत्यु पर भी मनुष्य की चेतना को झकझोरने वाला लिखा गया है। कल्पना कीजिए, महाभारत के अंत की - गर्भस्थ शिशुओं समेत सारे पात्र मारे जा चुके हैं और जो थोड़े से जीवित विजेता बचे भी हैं, वे अभिशप्त हैं क्षमा की तलाश में दर-दर भटकने को। पचास लाख से अधिक यहूदियों की हत्या होलोकास्ट भी ऐसी ही कथा है। यह अजीब विरोधाभास है, एक प्रिय का जाना हमारी चेतना पर अगल-बगल मर रहे सैकड़ों लोगों की क्षति से अधिक गहरी लकीर खींचता है। क्या त्रासदी भी हमें स्वार्थी बनाती है? निश्चित कहना बड़ा मुश्किल है, पर कैसे समझेंगे कि अपने को ऑक्सीजन देने के लिए कोई दूसरों के मुंह से सिलेंडर खींच ले जा रहा है, अस्पतालों में बिस्तरों के लिए मारामारी मची है और लूट में से कोई अपना हिस्सा छोड़ना नहीं चाहता। एम्बुलेंस के ड्रायवर से लेकर शमशान की व्यवस्था देखने वाले कर्मी तक हर कोई इस भ्रष्ट तंत्र में शरीक नजर आता है।

अपने किसी प्रिय का जाना हमेशा कष्टप्रद होता है, पर जिस तरह कोरोना में लोग जा रहे हैं, उसकी तो कल्पना ही इस महामारी के पहले असंभव थी। हम असहाय से प्रियजनों को जाते देख रहे हैं। कुछ न कर पाने का एहसास कितना सालता है, इसका पता उस अंदाज से चलता है, जिससे हमारे लिए अर्थवान हमें छटपटाता छोड़ कर चले जा रहे हैं। एक सपना सा है, जिसमें हम समंदर के किनारे खड़े हैं और जिस हाथ को कसकर पकड़े रहने का प्रयास कर रहे हैं, वह हमारी पकड़ से फिसलता जा रहा है। जब उंगली का आखिरी पोर हमसे छिटकता है और हम पसीने से लथपथ जगते हैं, तो पाते हैं कि यह दुस्वप्न भर नहीं है, कोई था जो सचमुच चला गया। दुनिया भर में महामारियां और युद्ध अपनों को छीनते रहे हैं और हर बार मनुष्य जाति को उसकी असहायता की अनुभूति कराते हुए और एक झंझावात की तरह उसकी चेतना को झकझोरते महामारियां और युद्ध गुजरते रहे हैं। पहले जब जानकारियां सीमित थीं, सबकुछ ईश्वर के मत्थे था, बेचारगी कुछ कम थी। ज्ञान ने मनुष्य का दुख बढ़ाया ही है। सौ साल से कुछ ही अधिक हुआ, जब स्पैनिश फ्लू फैला और कई करोड़ लोग मरे, तब भी कुछ लोग जरूर प्रश्नाकुल हुए होंगे कि अगर दुनिया एक न्यायप्रिय ईश्वर द्वारा संचालित हो रही है, तो यह महा विनाशकारी युद्ध किसकी मर्जी से छिड़ा है, जिसकी एक परिणति स्पैनिश फ्लू है। आज ज्यादा लोग विचलित हैं कि क्या कुंभ टाला नहीं जा सकता था या फिर चुनाव कुछ महीनों बाद होते, तो क्या इस महामारी से बड़ी त्रासदी होती। उत्तर पहले भी नहीं था और अब भी नहीं मिलेगा।

किसी एक अपने की मृत्यु बड़ी रचना रचवा लेती है। महाकवि निराला की पुत्री सरोज का निधन स्पैनिश

फ्लू से हुआ और एक बड़ी कविता सरोज स्मृति लिखी गई। इसी तरह अपने साथी की मृत्यु पर क्रौंच के विलाप ने वाल्मीकि नामक विश्वकवि पैदा करवा दिया। मैं सिर्फ भारतीय परंपरा में तलाश रहा हूं, अगर विश्व साहित्य को खंगालें, तो रचनात्मकता के और भी उत्स मिलेंगे। सामूहिक मृत्यु पर भी मनुष्य की चेतना को झकझोरने वाला लिखा गया है। कल्पना कीजिए, महाभारत के अंत की - गर्भस्थ शिशुओं समेत सारे पात्र मारे जा चुके हैं और जो थोड़े से जीवित विजेता बचे भी हैं, वे अभिशप्त हैं क्षमा की तलाश में दर-दर भटकने को। पचास लाख से अधिक यहूदियों की हत्या होलोकास्ट भी ऐसी ही कथा है। यह अजीब विरोधाभास है, एक प्रिय का जाना हमारी चेतना पर अगल-बगल मर रहे सैकड़ों लोगों की क्षति से अधिक गहरी लकीर खींचता है। क्या त्रासदी भी हमें स्वार्थी बनाती है? निश्चित कहना बड़ा मुश्किल है, पर कैसे समझेंगे कि अपने को ऑक्सीजन देने के लिए कोई दूसरों के मुंह से सिलेंडर खींच ले जा रहा है, अस्पतालों में बिस्तरों के लिए मारामारी मची है और लूट में से कोई अपना हिस्सा छोड़ना नहीं चाहता। एम्बुलेंस के ड्रायवर से लेकर शमशान की व्यवस्था देखने वाले कर्मी तक हर कोई इस भ्रष्ट तंत्र में शरीक नजर आता है। अपवाद हैं, पर अपवाद स्वरूप ही। सरकारें एक दूसरे पर दोषारोपण में जुटी हैं और अदालतों का ध्यान अखबारी सुर्खियों पर ज्यादा है। एक मद्धम सुर में मृत्यु की संगीत लहरी बह रही है, पर इसे सुनने वाले को एक मुश्किल एकांत झेलना पड़ता है। यह एकांत संगीत प्रेमियों का अति वांछित और प्रिय सन्नाटा नहीं है, जहां वे शांति से आनंद ले सकें। यह एकांत उस दर्द की तरह है, जो बूंद-बूंद कर टपकता है। ऐसे समय कोई भी चाहेगा कि उसके अपने पास हों, कोई तो हो, जिस से अपना सुख-दुख साझा किया जा सके। आस-पास सफेद कपड़ों में जो हिलने-डुलने का भ्रम पैदा कर रहे हैं, उनके लिए सामने लेटा एक संख्या मात्र है और जिसके निस्चेष्ट होने पर वे बाहर किसी बेंच पर सिर झुकाए व्यक्ति को एक सूचना देंगे और कुछ लोगों की जिंदगी में बहुत कुछ खत्म हो जाएगा। चिता में आग लगने के बाद कोई एक दूर से ही प्रणाम कर वापस मुड़ लेगा। एक भयानक एकांत है, जिसके लिए गालिब ने कहा था - खामुशी भी जैसे कोई खामोशी है। जीवन में पहली बार रात में उठ-उठ कर मैं अपनी मेल चेक करता हूं और ऐसे लोगों के जाने की खबरें पढ़ता हूं, जिन्हें अभी बहुत दूर तक साथ चलना था।

योद्धा ने बदला है रूप

कपड़े से पहचान नहीं है
कभी खाकी तो कभी सफेद।
मन मे संकल्प लिए हुए हैं

इस आफत में बचाना देश।।
योद्धा के रूप हैं बदले
और बदले उनके हथियार।
कभी हाथ में स्टेचर उनके
जिसे ले जाते वो अस्पताल ।।
ढाल तलवार नही योद्धा के
केवल ढाल है मास्क का साथ।
फर्क नही अमीर गरीब में
सबसे है एक सा वर्ताव।।
बाजी लगा जान का योद्धा
कूद पड़ा है युद्ध मैदान।
अनजान और मक्कार दुश्मन से
डटा हुआ है युद्ध मैदान।।
इनके पास न श्वास हवा है
इंजेक्शन का भी है अभाव।
बिस्तर भी कम पड़ गए है
फिर भी डटा ये योद्धा आप।।
दाव लगा अपने जीवन का
झोंक दिया अपना सर्वस्व ।
परवाह किये बिन अपने जीवन का
मानव रक्षा का लेकर संकल्प ।।
इन योद्धा के अथक मेहनत को
याद रखेगा सकल जहाँ।
अलग अलग कपड़ो में योद्धा
निकल पड़े हैं बचाने जान।।
उन गिद्धों को कैसे थूकें
जो लिप्त हुए हैं कालाबाजार।
जिसके जघन्य और कलुषित
आचरण से
मानवता हो रहा शर्मसार।।

श्री कमलेश झा
दिल्ली

ग्रामीण भारत की आर्थिक आजादी और खुशहाली की गारंटी देने वाली प्रधानमंत्री स्वामित्व योजनाः कमल पटेल

यह महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत है] जो लंबे समय तक कांग्रेस सरकारों कि अदूरदर्शिता और खराब नीतियों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। लेकिन अंततः इस देश ने कांग्रेस को नकार कर और भारतीय जनता पार्टी पर गहरा भरोसा दिखाते हुए राजनीतिक बदलावों से उन नाकामियों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की ठान ली है। आज़ादी के बाद आठवें दशक में अब यह देश मोदी युग में प्रवेश कर चुका है। उनके नेतृत्व में भारत अब विकास,खुशहाली, जन-कल्याण की नई ऊँचाइयों और ग्राम स्वराज को मजबूत करने की दिशा में नित नए कीर्तिमान स्थापित करता हुआ तेजी से आगे बढ़ रहा है। दरअसल भारत में लोक-कल्याण के लिए जमीनी स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए लोकप्रिय प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना की शुरुआत का एक साल बीत चुका है। यह योजना स्वतंत्र भारत और ग्रामीण भारत की आर्थिक आजादी का प्रतीक होकर ग्रामीण भारत को मजबूत और खुशहाल करने वाली सबसे बड़ी योजना है। इस योजना से महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को जमीनी स्तर पर लागू करके प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने साकार कर दिया है। दिनांक 24 अप्रैल को देश में राष्ट्रीय पंचायत दिवस मनाया जाता है और बीते साल इसी दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस महती योजना का सूत्रपात कर ग्रामीण भारत के विकास की अनंत संभावनाओं के द्वार खोल दिए थे। इसके साथ ही देश की करोड़ों ग्रामीण जनता को आर्थिक आज़ादी मिलने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ, जो पूर्व की कांग्रेस सरकारें नहीं कर सकी थीं। ग्रामीण भारत की सुख, शांति, संपन्नता और सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए बनाई इस महत्वाकांक्षी योजना को लेकर मध्यप्रदेश में भी व्यापक उत्साह रहा है। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अस्तित्व में आते ही प्रदेश की भाजपा सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाये हैं। मध्यप्रदेश की ग्रामीण जनता में इसके प्रभाव और उज्जवल परिणाम सभी के साथ साझा करते हुए बेहद प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के साथ इस एक साल में मध्यप्रदेश का हरदा जिला एक मिसाल बन गया है, जिसने स्वामित्व योजना के अनुसार सम्पूर्ण दस्तावेज शत प्रतिशत तैयार कर लिए है। इसके साथ ही इसका त्वरित लाभ जिले के 402 राजस्व ग्रामो की सम्पूर्ण आबादी को मिल सके, इसलिए इन दस्तावेजों के वितरण की भी तैयारी कर ली है। मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के सम्पूर्ण देश में पहले लाभार्थी, हरदा जिले के रामभरोसे विश्वकर्मा बने हैं। जिले के एक छोटे से गाँव अबगाँवकला के रामभरोसे विश्वकर्मा की जमीन, घर, कुआं और पेड़ सभी यहाँ से गुज़र रहे हाइवे के कारण अधिग्रहित कर लिए गए थे। हरदा जिले का ग्राम मसनगाँव पहला गाँव है, जहाँ 2 अक्टूबर 2008 को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री आवास योजना अधिकार पुस्तिका प्रदान कर सबसे पहले हितग्राहियों को लाभान्वित किया था। पिछले सात दशकों से देश की बड़ी आबादी यह दर्द भोगती रही है, जिसके अनुसार ग्रामीण आबादी कहलाने वाली जमीन पर किसी का भी मालिकाना हक नही होता।

बीते हुए कल

अरे !बीते हुए कल
बेफिक्र होकर मत घूम।
तुमसे अपने हर दर्द का

हिसाब लूंगा ।
अरे !बीते हुए कल
बेफिक्र होकर मत हंस
तुमसे अपने हर आंसू का
हिसाब लूंगा।
अरे !बीते हुए कल
बेफिक्र होकर मत सो
तुमसे अपनी हर नींद का
हिसाब लूंगा।
अरे !बीते हुए कल
बेफिक्र होकर अपनी
झूठी शान पर मत इतरा,
तुमसे अपने हर अपमान का
हिसाब लूंगा।

अमित डोगरा,
कांगड़ा,हिमाचल प्रदेश
9878266885

कविता

हाय कोरोना हाय कोरोना दुनियां सारी चिल्लाती,
चारों ओर मचा है रोना दुनियां सारी कांपी जाती ।
कोरोना से बचना है तो बाहर नहीं जाना है,
बार बार हाथो को अपने मुंह से नहीं लगाना है ।
बार बार हाथो को अपने साबुन से ही धोना है
स्वच्छ रहेगें हम सब बच्चों फिर काहे का रोना है।
डरना नहीं है प्यारे भैया बीमारी है आती जाती ,
हाय कोरोना हाय कोरोना दुनियां सारी चिल्लाती,
चारों ओर मचा है रोना दुनियां सारी कांपी जाती । (1)
बार बार हाथों में अपने सेनेटाइजर लगाना है,
मुंह पर मास्क लगाकर कोरोना को भगाना है।
फेस मास्क और ग्लब्स से ये कोरोना भागेगा,
अपना जीवन रहे सुरक्षित नया सवेरा आएगा ।
चहुदिश आएगी खुशहाली नहीं कोयल गाती ,
हाय कोरोना हाय कोरोना दुनियां सारी चिल्लाती,
चारों ओर मचा है रोना दुनियां सारी कांपी जाती ।(2,)

डॉ . कमलेंद्र कुमार श्रीवास्तव
राव गंज कालपी ,जालौन

आओ अब तो अस्पताल बनाएं

मन्दिर -मस्जिद हर साल बनाएं
आओ अब तो अस्पताल बनाएं।
मरीज कैसे बेमौत मर रहे हैं

हर पल मौत से डर रहे हैं
कैसे फैल रही ये महामारी
जाने किसकी आ जाये बारी
धर्म के नाम पर ना जंजाल बनाएं
आओ अब तो अस्पताल बनाएं।
हालात को अब समझना होगा
अपनी सोच को बदलना होगा
सरकार को मजबूर करना होगा
समस्याओं को दूर करना होगा
जागरूक सबको हर हाल बनाएं
आओ अब तो अस्पताल बनाएं।
सेहत ठीक तो नमक रोटी खालेगें
घर में ही पूजा, नमाज करा लेंगे
अपने पैरो पर खड़ा हो देश हमारा
फैले हर जगह ये संदेह हमारा
अपने जीवन को न जंजाल बनाएं
आओ अब तो अस्पताल बनाएं।

नूर फातिमा खातून नूरी शिक्षिका
जिला-कुशीनगर
उत्तर प्रदेश

बना रहे भरोसा

आज पूरा देश कोरोना वायरस के सामने जैसे किंकर्तव्यविमूढ़ खड़ा है। इतने निस्सहाय-निरुपाय हम पहले कभी नहीं थे। साल भर पहले जब इस महामारी ने हमारे देश में दस्तक दी थी, तब हमारे पास कोई तैयारी नहीं थी। इस एक वर्ष में हमने लंबी यात्रा तय की है। देश तरह-तरह के प्रयोगों के दौर से गुजरा है। हमने एक के बाद एक लॉकडाउन देखे हैं, अपने बीमार पिताजी को 1,200 किलोमीटर साइकिल चलाकर बिहार ले जाने वाली किशोरी देखी है। अपने देस-गांव पैदल लौटते लाखों मजदूरों को देखा है, फिर भी हम इतने असहाय नहीं थे। हालांकि, इस बीच हमारे पास हर तरह के किट हैं, वेंटिलेटर हैं, हमारे पास वैक्सीन भी हैं, हमने वैक्सीन अपने पड़ोसियों को भी भेंट में दी है। हम वैक्सीन डिप्लोमेसी में भी अव्वल रहे। 15 करोड़ अपने लोगों को वैक्सीन लग भी चुकी है, फिर भी हम निरुपाय हैं, क्योंकि महामारी की मार इतनी तेज है कि हम कुछ कर नहीं पा रहे हैं। शायद हम अपनी शुरुआती कामयाबी से कुछ ज्यादा ही फूल के कुप्पा हो गए थे। कोविड के संकट को भूलकर हमारे राजनेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने में जुट गए। कोविड प्रोटोकॉल सिर्फ कुछ ही जिम्मेदार लोगों के अनुपालन की चीज रह गया। नेतागण धड़ल्ले से चुनावों में कूद गए। चुनावी रैलियों में कोविड प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ने लगीं। यहां तक कि कुंभ जैसे, विशाल जनसमुद्र को आमंत्रित करने वाले आयोजन भी बिना खास तैयारी के होने लगे। सरकारों को ही क्यों दोष दें? जनता स्वयं जैसे चादर ताने सो रही थी। वैक्सीन है, लेकिन हम उसे लगवाने में कोताही बरतने लगे थे। शादी-ब्याह, उत्सव-त्यौहार उसी पुराने अंदाज में मनाने लगे थे, इसलिए जब कोरोना के बहुरूपी वायरस ने हमें सुषुप्तावस्था में पाया, तो चौतरफा प्रहार कर दिया।

संजीवनी

ऐ,सी, में सांसे लेकर चल बसा वो,
ऐ,सी, में सांसे लेकर चल बसा वो,
हवा के साफ झोंके को तरस गया वो,
माना हजार पेड़ लगवाए उसने,
अनगिनत दरख्त कटवाता था वो।
पेड़ों की पत्तियों में पानी तो देता था,
पर जड़ो में नमक,मठा डालता था वो,
पेड़ो की जड़ो पर सीमेंट बिछा दिया,
अब पेड़ की छांव को तरसता था वो।
कांक्रीट से कब बयार ठंडी बही आज तक,
वनों को काटकर कालोनी बनाता था वो,
धन की लिप्सा में चल बसा वो,
पेड़ ही जीवन हैं संदेश दे गया वो।
पर्यावरण, पेड़ और ताजी हवा का,
कितना महत्व है,समझ गया था वो।

संजीव ठाकुर राजपूत
छत्तीसगढ़ 9009415415

कोरोना की दूसरी लहर ने दहलाया, अब तक 9 लाख लोगों ने छोड़ा महाराष्ट्र, सख्ती से राज्य को हो सकता है 82 हजार करोड़ का घाटा!

कोरोना महामारी में मजदूरों का पलायन विकराल रूप लेता जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक की रिसर्च रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि अप्रैल के शुरुआती 12 दिनों में करीब 9 लाख लोगों ने महाराष्ट्र से वापस अपने राज्यों का रुख किया है। हालात इतने गंभीर होते जा रहे हैं कि अब कारोबारी भी इन मजदूरों को रोकने के इच्छुक नहीं है। एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक 1 से 12 अप्रैल के बीच वेस्टर्न रेलवे की तरफ से 196 ट्रेनों में 4.32 लाख लोगों ने सफर किया। इनमें से 150 रेलगाड़ियां सिर्फ उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए गईं। उनमें 3.23 लाख लोग वापस इन राज्यों की तरफ लौटे हैं। यही नहीं इस दौरान सेंट्रल रेलवे की तरफ से चलाई गई 336 ट्रेनों में 4.70 लाख यात्रियों ने महाराष्ट्र से अपने राज्यों का रुख किया। ये रेलगाड़ियां उत्तर प्रदेश, बिहार के साथ साथ असम, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा राज्यों के लिए गईं। रिपोर्ट के मुताबिक बड़े पैमाने पर औद्योगिक गतिविधियां चलाने वाले महाराष्ट्र राज्य में लॉकडाउन के गंभीर परिणाम होंगे। मौजूदा सख्ती से राज्य को 82 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो सकता है और आने वाले दिनों में ये सख्ती बढ़ी तो घाटा भी गहराना तय है।

बेड की किल्लत बड़ी समस्या–कारोबारी भी मौजूदा स्वास्थ्य व्यवस्था को देखते हुए मजदूरों को रोकने में हिचकिचा रहे हैं। इंडिया एसएमई फोरम की डायरेक्टर जनरल सुषमा मोरथानिया ने हिंदुस्तान को बताया कि अस्पताल में बेड की किल्लत बड़ी समस्या बनती जा रही है। ऐसे में मजदूरों को रोकने पर महामारी फैलने की हालत में उनके इलाज की मुश्किलों से निपटना बड़ी चुनौती है। उनके मुताबिक कारोबारी बेहद जरूरी काम के लिए ही मजदूरों को रोकने का जोखिम ले रहे हैं, वो भी सिर्फ उन्हीं को रोका जा रहा है जिनका इंश्योरेंस कराया गया है। इनकी तादाद कई जगहों पर 25 फीसदी के करीब ही है।

आर्थिक हालात काफी बिगड़े–अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर अमिल बसोले के मुताबिक पिछले लॉकडाउन के दौरान मजदूरों के पलायन के दौरान उनकी आर्थिक हालात काफी बिगड़ गई थी। लंबे समय के बाद कामकाज शुरू हुआ था जो फिर से बंद हो गया है। ऐस में मजदूरों के लिए बार बार शहर की तरफ रुख करना मुश्किल हो जाएगा।

ट्विटर अकाउंट सस्पेंड होने के बाद बोलीं कंगना रनौत- मेरे पास बात रखने के लिए और भी तरीके हैं

बॉलीवुड की क्वीन यानी कंगना रनौत का ट्विटर अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है। उनपर ट्विटर के नियमों का पालन न करने का आरोप है। ट्विटर अकाउंट सस्पेंड होने के बाद कंगना ने रिएक्शन देते हुए कहा है कि उसके पास अन्य मंच हैं जहां वह अपनी राय दे सकती है। कंगना रनौत ने अपने एक बयान में कहा, ट्विटर ने हमेशा की तरह इस बार भी साबित कर दिया है कि वह जन्म से अमेरिकी हैं। उन्हें लगता है एक सफेद व्यक्ति, भारत में रहने वाले (काले रंग) व्यक्ति को गुलाम बनाने का हकदार है। वे आपको ये बताना चाहते हैं कि आपको क्या बोलना है ,सोचना है और क्या करना है ? हालांकि मेरे पास कई मंच हैं जिनका उपयोग मैं अपनी आवाज उठाने के लिए कर सकती हूं।

पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम पर किया था ट्वीट–आपको बता दें कि बीते दिनों से कंगना रनौत कई चीजों को लेकर खबरों में छाई हुई हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद कंगना कुछ ज्यादा ही अक्रामक हो गईं। उन्होंने अपने हालिया ट्वीट में पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम के बाद हिंसा की खबरों को लेकर ट्वीट की थी। जिसमें उन्होंने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करने के अलावा उन्होंने ममता बनर्जी को लेकर कई ट्वीट किया था।

ये भी लगा है आरोप

एक्ट्रेस का ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वह यूजर्स के निशाने पर आ गईं । इसके बाद उनका अकाउंट सस्पेंड करने की मांग होने लगी। इतना ही नहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस की ट्वीट्स को लेकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। केस में कंगना पर बंगाल में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप लगा गाया़ है । इन सब मामलों को देखते हुए ट्विटर ने एक्शन लिया और कंगना का अकाउंट सस्पेंड कर दिया।

पहले भी बैन हो चुका ट्विटर अकाउंट–बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि कंगना का ट्विटर अकाउंट बैन लगा हो इस साल की शुरुआत यानी जनवरी में कंगना के ट्विटर अकाउंट पर प्रतिबंध लगाए गए थे, जब उन्होंने अमेज़न प्राइम वीडियो सीरीज़ तांडव के खिलाफ एक ट्वीट पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि समय आ गया है धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले निर्माताओं का सिर काट देना चाहिए।

निक्की तंबोली के कोरोना पॉजिटिव भाई का निधन, दिल चीरने वाले पोस्ट में लिखा- वो अस्पताल से थक गए थे

निक्की तंबोली के भाई जतिन की कोविड-19 कॉम्प्लिकेशंस के चलते नहीं रहे। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर यह जानकारी अपने फैन्स के साथ शेयर की। उन्होंने इमोशनल पोस्ट में बताया कि लंबे वक्त से उनके भाई जतिन को और भी कई दिक्कतें थीं। बीते दिनों निक्की की कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं जिनमें वह भाई की जिंदगी बचाने के लिए पूजा करती दिखाई दे रही थीं।

निक्की के भाई कई दिनों से थे बीमार–निक्की ने इंस्टाग्राम पर लिखा है, मेरा भाई बस 29 साल के थे और कई साल से काफी सारी बीमारियों से जूझ रहे थे। 20 दिन पहले मेरे भाई को लंग कोलैप्स हो जाने के बाद हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। वह 1 फेफड़े पर जिंदा थे। उन्हें टीबी के साथ कोरोना हुआ था साथ ही हॉस्पिटल में उनको निमोनिया भी हो गया था। आज सुबह उनके दिल ने धड़कना बंद कर दिया। ईश्वर ने कई बार मुझ पर और मेरे परिवार पर कृपा की है और मेरे भाई को बचाया है लेकिन कहते हैं कि जो किस्मत में लिखा होता है, उसे कोई बदल नहीं सकता। मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं जिन्होंने मेरे भाई के लिए प्रार्थना की। वह अस्पताल से थक गए थे। अब वह बेहतर जगह और बेहतर हाथों में हैं।

भाई को डेडिकेट किया पोस्ट–निक्की ने एक और पोस्ट अपने भाई के डेडिकेट किया है। इसमें लिखा है, हमें नहीं पता था, इस सुबह भगवान आपको बुला लेंगे। जिंदगी में हमने आपको बहुत प्यार किया और मरने के बाद भी हम करते रहेंगे। आपको खोकर हमारा दिल टूट गया है। आप अकेले नहीं गए हमारा एक हिस्सा अपने साथ ले गए हैं।

जब रणबीर कपूर ने कैमरे के सामने की शॉकिंग हरकत, अनुष्का शर्मा के कपड़ों में पोछी नाक

रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा की ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री जबरदस्त है। कई चैट शोज पर दोनों एक-दूसरे की टांग खींचते और मस्ती करते देखे जा चुके हैं। अब एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें रणबीर कपूर अपनी नाक में उंगली डालकर अनुष्का के कपड़ों में लगा देते हैं। इस पर अनुष्का उन पर गुस्सा करती हैं। इसके बाद रणबीर उनके कपड़ों का भी मजाक उड़ाते हैं। अनुष्का शर्मा और रणबीर कपूर के बीच नोकझोंक के कई वीडियोज वायरल होते रहते हैं। करण जौहर के चैट शो और कपिल शर्मा के शो पर भी दोनों साथ आकर भाई-बहन की तरह झगड़ते दिखाई दे चुके हैं। उनके फैन्स रणबीर अनुष्का के वीडियोज खोज-खोजकर वायरल करते रहते हैं। ऐसा ही एक वीडियो खूब देखा जा रहा है। यह वीडियो ऐ दिल है मुश्किल के पब्लिसिटी टूर का है। इसमें अनुष्का उनकी इस आदत से चिढ़कर गुस्सा करती दिख रही हैं। यह क्लिप 2016 में ॠद्धद्ध त्तद्धद्धठ्ठह के साथ इंटरव्यू की है। अनुष्का कहती दिख रही हैं, यह हर समय अपनी नाक ऐसे ही खोदता रहता है जैसे अभी खोद रहा है। तब तक रणबीर अपनी उंगली अनुष्का के कपड़ों में पोछ देते हैं। इस पर अनुष्का चिढ़ जाती हैं और कहती हैं, ये भाड़े के कपड़े हैं। बाद में अपने श्रग के लिए कहती हैं कि ये नहीं यह मेरा है। इस पर रणबीर उनके कपड़ों को डॉक्टर का कोट कहकर मजाक उड़ाते हैं।

कोविड-19 की नकली दवा बनाने वालों पर भड़कीं मौनी रॉय, वायरल वीडियो पर शमिता शेट्टी भी गुस्सा

एक्ट्रेस अभिनेत्री मौनी रॉय ने कोविड-19 की नकली दवा बनाकर बेचने वाले वायरल वीडियो पर रिऐक्शन दिया है। मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ वायरल फोटोज और वीडियो को शेयर कर अपना गुस्सा जाहिर किया है। नागिन फेम मौनी ने इन वायरल तस्वीरों को शेयर करते हुए इसे सबसे घृणित और शर्मनाक कहा है।

मौनी ने इन फोटोज और वीडियो को शेयर करते हुए लंबा नोट लिखा है। उनका यह पोस्ट वायरल हो चुका है। एक्ट्रेस के फैंस के साथ ही साथ बॉलीवुड और टीवी सितारे भी उनकी पोस्ट पर कॉमेंट करते हुए इसे शर्मनाक कह रह रहे हैं।

इन सितारों ने किया कॉमेंट–कॉमेंट करने वाले सितारों की लिस्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस शमिता शेट्टी, टीवी एक्टर अर्जित तनेजा, अर्जुन बिजलानी, एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट, सोफी चौधरी, आशा नेगी,सिमरन कौर मुंडी, तीजे सिद्धु का नाम शामिल है।

निंदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं–मौनी ने अपने पोस्ट में लिखा है, घृणित ! इस चीज को देखकर मैं अंदर से हिल गई हूं, इसकी निंदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। यह सबसे शर्मनाक काम है। वह आगे लिखती हैं कि हां हम मानते हैं कि इस महामारी की दूसरी लहर बहुत भयावह है, इसके रोकने के लिए कई सार्थक उपाय नहीं किये गए , लेकिन इसकी जांच की जाएगी।

5000 रु में बेच रहे हैं फेक मीडिसिन–वह आगे अपना गुस्सा दिखाते हुए लिखती हैं कि यह जानबूझकर किया गया काम है। अनगिनत कमजोर लोगों पर पहले से रची गई बुराई है। जीवन रक्षक दवा के बजाय, ये नमक और ग्लूकोज मिला कर इस फेक मेडिसिन की एक पीस को 5000 रु में बेच रहे हैं। वह अपनी पोस्ट में इस कालाबाजारी के खिलाफ एक्शन लेने की बात कर रही हैं। उन्होंने अपील की है कि इस घृणित कार्य करने वालों के खिलाफ शख्त कार्रवाई की जाए। इसके उन्होंने एकजूट होकर लोगों की मदद की अपील की है। देश में कोरोना महामारी का संकट हर दिन बढ़ता जा रहा है। कोरोनावायरस से मच रही इस तबाही से हर कोई दहशत में जी रहा है। वर्तमान में आलम ये है कि इस महामारी की चपेट में हर दिन हजारों लोग आ रहे हैं। वहीं लोगों को ऑक्सीजन, दवाई और अस्पतालों में बेड के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। लेकिन इस विषम संकट में भी कुछ लोग इसे अवसर मानकर धन कमाने की तलाश कर रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे लेकर ये कयास लगाए जा रहा है कि कुछ लोग कोरोनावायरस की फर्जी दवाइयां बनाकर उसे बेच रहे हैं। हालांकि यह वीडियो और फोटो की क्या सच्चाई है अभी कुछ साबित नहीं हुआ है।

एक नजर...

यूपी पंचायत चुनावः पांच लाख के इनामी रहे डकैत का बेटा बना प्रधान, ठोकिया का भाई भी जीता

चित्रकूट। यूपी और एमपी के पाठा क्षेत्र में करीब चार दशक तक डकैत गिरोहों का साम्राज्य रहा। हर चुनाव में डकैत गिरोह ने हनक दिखाकर चहेतों का जिताने का काम करते रहे। इनके फरमान पर ही पाठा की पंचायतों में प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान होता रहा। पहली बार इन डकैतों के परिजनों ने वोट मांगकर चुनाव जीता है। डकैत ददुआ के सबसे खास रहे जेल में बंद राधे का बेटा व मारे जा चुके डकैत ठोकिया के भाई ने प्रधान पद पर कामयाबी हासिल की है। वर्ष 2005 में जब पंचायत चुनाव हुए थे तो डकैत ददुआ और ठोकिया ने परिजनों और करीबियों को निर्विरोध प्रधान, बीडीसी व डीडीसी आदि बनवाया था। अब ये दोनों डकैत मारे जा चुके हैं। डकैत अंबिका पटेल उर्फ ठोंकिया के भाई दीपक पटेल ने कर्वी विकासखंड की बंदरी ग्राम पंचायत से प्रधान पद पर जीत हासिल की है। उसने 535 वोट हासिल किए हैं। उसने सुधीर गर्ग को 339 मतों से हराया है। उसे केवल 196 वोट मिले। इसी तरह शीतलपुर तरौंहा ग्राम पंचायत से डकैत राधे का बेटा अरिमर्दन सिंह उर्फ सोनू को प्रधान पद पर जीत मिली है। उसने 192 मत हासिल कर अरविंद सिंह को 22 वोट से हराया है। पहली बार पंचायत चुनाव में ऐसा हुआ जब डकैतों के परिजन वोट मांगकर चुनाव जीते हैं। इसके पहले डकैतों के फरमान चला करते थे।

नव निर्वाचित ग्राम प्रधान कब लेंगे शपथ और कैसे होगी कार्यकाल की शुरुआत

लखनऊ। प्रदेश में पंचायत चुनाव की मतगणना खत्म होने के बाद अब नव निर्वाचित ग्राम प्रधान व पंचों के शपथ ग्रहण और नवगठित ग्राम पंचायतों की पहली बैठक की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य के ग्रामीण इलाकों में लगातार फैलते जा रहे कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने में गांव की नई सरकार के ये नुमाइंदे काफी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसके साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख के चुनाव की शीघ्र ही करवाए जाएंगे। उम्मीद लगाई जा रही है कि अगले एक सप्ताह में नव निर्वाचित ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत सदस्यों का शपथ ग्रहण और फिर नवगठित ग्राम पंचायतों की पहली बैठक हो जाएगी। उसके बाद गांव की सरकार के यह प्रतिनिधि गांव वालों को कोरोना संक्रमण से बचाने व अन्य विकास कार्यों को करवाने में जुट जाएंगे। पंचायतीराज निदेशक किंजल सिंह ने जानकारी दी कि उनके विभाग की तरफ से शासन को इस बारे में प्रस्ताव भेजा गया है। शासन को ही इस बारे में तारीख तय करनी है। उम्मीद है कि इस बारे में जल्द ही शासनादेश जारी कर दिया जाएगा। इसी तरह अब जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख के चुनाव भी जल्द सम्पन्न करवाए जाएंगे। चुने हुए जिला पंचायत सदस्य और क्षेत्र पंचायत सदस्य अपने बीच में से किसी एक को जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख चुनेंगे। मगर इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग की निगरानी में चुनाव करवाया जाएगा। उम्मीदवार नामांकन दाखिल करेंगे, फिर नामांकन पत्रों की जांच, उसकी वापसी के बाद चुनाव चिन्ह आवंटन और फिर प्रचार के लिए समय दिया जाएगा। इसके बाद मतदान करवाया जाएगा। इस मतदान में सिर्फ चुने हुए जिला पंचायत सदस्य और क्षेत्र पंचायत सदस्य ही मतदान कर सकेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए जिला पंचायत मुख्यालय और ब्लाक प्रमुख पद के लिए ब्लाक मुख्यालय पर मतदान करवाया जाएगा। खासतौर पर जिला पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव में सियासी दलों की सरगर्मी काफी बढ़ी रहेगी।

यूपी पंचायत चुनाव में सास-बहू का जलवा : एक ने चौथी बार जीती प्रधानी तो दूसरे ने जमाया जिला पंचायत सदस्य की सीट पर कब्जा

शाहजहांपुर। यूपी पंचायत चुनाव में हर जिले में किसी न किसी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। यूपी के शाहजहांपुर में भी एक परिवार ऐसा है जिसने चार साल से प्रधानी पर कब्जा जमा रखा है। इस बार तो जिला पंचायत सदस्य सीट भी उसी परिवार में आ गई। जोधपुर नवदिया गांव के एक परिवार का दबदबा कायम रहा। इस परिवार ने अपनी कड़ी मेहनत से लगातार चौथी बार प्रधानी एवं पहली बार जिला पंचायत सदस्य के पद पर जीत हासिल की। प्रधान पद पर जहां सास विजेता रहीं वही जिला पंचायत सदस्य के पद पर बहू विजेता रही। जोधपुर नवदिया गांव के झब्बू सिंह यादव व उनके छोटे भाई अनिरुद्ध सिंह यादव पहलवान समाज सेवा के रूप में बीते कई वर्षों से प्रधान पद का चुनाव जीत रहे थे। इस बार क्षेत्र के लोगों के सहयोग से उन्होंने प्रधान पद पर अपनी मां रामबेटी एवं जिला पंचायत सदस्य पद पर झब्बू सिंह यादव ने अपनी पत्नी गुड्डी यादव को चुनाव लड़ाया। बेटों के साथ में मां रामबेटी एवं पुत्र वधू गुड्डी यादव ने क्षेत्र में घूम कर लोगों से विकास कार्य कराने का वादा किया। सास राम बेटी ने प्रधान पद का चुनाव होते हुए भी अपनी बहू गुड्डी यादव के लिए क्षेत्र में घूम घूम कर जनसंपर्क किया और वोट करने की अपील की। अथक प्रयास से इस परिवार में लगातार चौथी बार प्रधान पद पर रामबेटी विजेता हुई वहीं इस परिवार की दोहरी खुशी तब हुई जब घर की पुत्रवधू झब्बू सिंह यादव की पत्नी गुड्डी यादव जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीती।

कोरोना से दिव्यांग की मौत के बाद इलाज न मिलने से मां ने भी दम तोड़ा, पत्नी की हालत गंभीर

गोरखपुर। गोरखपुर के पादरी बाज़ार क्षेत्र के मोहनापुर स्थित पिपरहवा टोला में संक्रमण से एक दिव्यांग युवक की मौत के बाद इलाज न मिलने से उसकी मां भी चल बसी। दिव्यांग के तीन मासूम बच्चे हैं। पत्नी बेसुध पड़ी है। पादरी बाज़ार क्षेत्र के मोहनापुर स्थित पिपरहवा टोला के दिव्यांग रामू निषाद (32) का पूरा परिवार कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गया था। उनमें उसकी मां और पत्नी भी शामिल थी। शुरुआत में इनके स्वास्थ्य में सुधार हो गया था, लेकिन रामू की हालत बिगड़ने पर उसे नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। इलाज के लिए पैसे नहीं थे तो कर्ज़ लिया। दो दिन के इलाज में ही एक लाख रुपये खर्च हो गए मगर उसकी जान नहीं बच सकी।

पंचायत चुनाव रिजल्टः

कई दिग्गज नेताओं के बीवी, बेटे और बहुओं की हार

लखनऊ। जौनपुर में मिस इंडिया रनर अप-2015 दीक्षा सिंह जिला पंचायत वार्ड का चुनाव हार गईं। बलिया में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी के बेटे भी चुनाव हार गए। भाजपा नेता पूर्व सांसद बब्बन राजभर अपने भाई लल्लन राजभर को सीयर क्षेत्र पंचायत के गजियापुर से प्रधान का चुनाव नहीं जिता सकें। यह खबरें हांडी में पके चावल के महज दो-चार दाने ही हैं। सांसदों, विधायकों व बड़े नेताओं के परिजनों के हारने की ऐसी खबरें प्रदेश के हर जिले से आ रही हैं।

इसके विपरीत कुछ दिग्गज नेता ऐसे भी हैं जो अपनी साख पंचायत चुनाव में भी बचाए रखने में सफल हुए हैं। गांवों की जनता ने दिग्गजों के कामकाज को तौलने के बाद उनके परिजनों को नेता मानने या खारिज करने पर अपनी मुहर लगाई है।

जौनपुर ग्लैमर की हार बाहुबल की जीत– जौनपुर के जिला पंचायत वार्ड 26 में मिस इंडिया रनर अप रहीं दीक्षा सिंह ने पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ा। वह चुनाव के दौरान लगातार सुर्खियों में बनी रहीं। इस वार्ड के जनता ने विकास के लिए दीक्षा सिंह के ग्लैमरस छवि को पूरी तरह नकार दिया। इस वार्ड से दिवंगत भाजपा नेता राजमणि सिंह की भतीजी नगीना सिंह चुनाव जीत गईं। इसी जौनपुर की जनता ने पूर्व सासंद बाहुबली धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला को जिला पंचायत सदस्य चुनने का काम किया है। संभव है श्रीकला जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए मजबूत दावेदारी करें। भाजपा से राज्यसभा सांसद नीरज शेखर के रिश्तेदार आलोक सिंह सीयर क्षेत्र पंचायत के मझौवा से क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) का चुनाव हार गए हैं।

मुलायम की भतीजी ने भाजपा का दामन थामा, फिर भी मिली हार–मैनपुरी में भाजपा में शामिल होकर जिला पंचायत के चुनाव में कूदीं मुलायम सिंह यादव की भतीजी संख्या यादव चुनाव हार गईं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी के बेटे रंजीत चौधरी बलिया जिले की जिला पंचायत वार्ड 16 से चुनाव हार गए हैं। रंजीत यादव सीधी लड़ाई में भी नहीं रहे, वह तीसरे नंबर पर रहे। बलिया जिले में ही बेल्थरा रोड विधायक धनंजय कन्नौजिया की मां सूर्यकुमारी देवी नगरा क्षेत्र पंचायत के वार्ड संख्या 19 से चुनाव हार गईं। बलिया में ही भाजपा के पूर्व सांसद हरिनारायण राजभर के बेटे अटल राजभर, सपा नेता पूर्व मंत्री शारदा नंद अंचल के पौत्र विनय प्रकाश अंचल तथा भाजपा गोरक्षनाथ प्रांत के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हार गए हैं। वरिष्ठ समाजवादी नेता राम गोपाल यादव के करीबी इटावा सदर विधायक राज कुमार यादव राजू की पत्नी वंदना यादव जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हार गई हैं।

बहुतों ने अपने परिजनों को जिताने में सफलता भी पाई–गाजियाबाद जिले के जिला पंचायत वार्ड संख्या दस से धौलाना विधायक मोहम्मद असलम चौधरी की पत्नी चौधरी नसीम बेगम चुनाव जीत गईं। गोरखपुर के वार्ड संख्या 19 से भाजपा विधायक फतेहबहादुर सिंह की पत्नी साधना सिंह चुनाव जीत गईं। साधना सिंह पूर्व में जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। वह इस बार भी अध्यक्ष पद की दावेदार मानी जा रही हैं।

अमेठी में गायत्री प्रजापति की बहू भी चुनाव जीतीं–बलिया में पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी के बेटे आनंद चौधरी जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीत गए हैं। अमेठी के वार्ड नंबर 30 से राजेश मसाला के मालिक राजेश अग्रहरि चुनाव जीत गए हैं। राजेश अग्रहरि को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया था। अमेठी में ही वार्ड नंबर 27 से पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की बहू रेनू प्रजापति भी चुनाव जीत गई हैं।

कोरोना कर्फ्यू में आने-जाने के लिए बनेगा ई-पास

लखनऊ। यूपी सरकार ने कोविड-19 के दूसरे लहर के कारण घोषित कोरोना कफ् र्यू अवधि में आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं की आपूर्ति के लिए ई-पास जारी करने की व्यवस्था की है। इसके लिए राहत आयुक्त की वेबसाइट पर जाकर के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार ने सोमवार को इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया है। ई-पास पोर्टल में संस्थागत पास का भी प्रावधान किया गया है। इसमें एक संस्था, आवेदक सहित अधिकतम पांच कर्मियों के लिए पास का आवेदन कर सकेंगी। ऑनलाइन आवेदनों का परीक्षण, सत्यापन अधिकृत प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। आवेदनों के परीक्षण के बाद ई-पास स्वीकृत किया जाएगा। ई-पास ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। इनको आवेकद प्राप्त एसएमएस में दिए गए लिंक पर क्लिक कर डाउनलोड करते कर प्रिंट निकाल सकेंगे। ई-पास की इलेक्ट्रानिक कापी भी मान्य होगी। ई-पास की पूर्ण अवधि में जांच के

समय मांगे जाने पर आवेदक को जीएसटी प्रमाण पत्र, वाणिज्यिक पंजीकरण प्रमाण पत्र, फोटोयुक्त पहचान पत्र या आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि प्रस्तुत करना होगा। जिले की सीमा के अंतर्गत मान्य ई-पास जारी करने के लिए एसडीएम तथा प्रदेश की सीमा के भीतर अंतर्जनपदीय ई-पास जारी के लिए डीएम द्वारा नामित अधिकारी अधिृत होगा। संस्था के लिए जारी ई-पास लाकडाउन की संपूर्ण अवधि के लिए वैध होंगे। जबकि, आमजन के लिए जारी जनपदीय पास की वैधता एक दिन की होगी। अंतर्जनपदीय पास की वैधता दो दिन की होगी। चेकिंग के दौरान ई-पास का सत्यापन क्यूआर-कोड के माध्यम से पुलिस कर्मियों द्वारा किया जाएगा। ई-पास मात्र अत्यावश्यक व लाकडाउन की अवधि में परिस्थितिजन्य कठिनाइयों के निराकरण के लिए जारी किए जाए। प्रदेश के बाहर के राज्यों के लिए विशिष्ट मामलों में ई-पास आवेदक के प्रस्थान जिला से संबंधित जिले के डीए द्वारा जारी किया जाएगा।

इनसे किया जा सकता है संपर्क– आवेदन संबंधी किसी भी समस्या के निदान के लिए राहत आयुक्त कार्यालय से संपर्क किया जा सकेग। विशेष सचिव राजस्व रामकेवल मोबाइल नंबर- 9411006000, चंद्रकांत प्रोजेक्ट एक्सपर्ट- 9988514423, वाट्सऐप नंबर- 9454411081, राहत आयुक्त कार्यालय 0522-2238200

कोरोना कर्फ्यू के दौरान कोई भी भूखा नहीं रहेगा

सीएम योगी ने दिया हर जिले में सामुदायिक भोजनालय खोलने का निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में सामुदायिक भोजनालयों के संचालन की जरूरत पर जोर देते हुए मंगलवार को निर्देश दिए कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा ना रहे। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने कोविड-19 महामारी के प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कहा कि आंशिक कोरोना कर्फ्यू के कारण कहीं भी किसी श्रमिक, ठेला, रेहड़ी व्यवसायी, दिहाड़ी मजदूर को भोजन की समस्या न हो, ऐसे में सामुदायिक भोजनालयों के संचालन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कृषि उत्पादन आयुक्त स्तर से इस संबंध में आवश्यक प्रयास किए जाएं। औद्योगिक इकाइयों में भोजन का आवश्यकतानुसार प्रबन्ध रहे। कोई भी व्यक्ति भोजन के अभाव में परेशान न हो, इसे सुनिश्चित किया जाए। योगी ने कहा कि कोरोना संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए सरकार लगातार जरूरी कदम उठा रही है। वर्तमान में छह मई सुबह सात बजे तक आंशिक कोरोना कर्फ्यू प्रभावी है और इस अवधि में आवश्यक और अनिवार्य सेवाएं सतत जारी रखी जाएं। मुख्यमंत्री ने घरों में रहकर इलाज करा रहे कोविड-19 संक्रमित मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था बनाते हुए आदेश दिए कि सभी जिलों में एक-एक ऑक्सीजन रीफिलर को घर में आइसोलेट मरीजों को आपूर्ति करने के लिए नामित किया जाए। अगर किसी मरीज के परिजन सिलिंडर रीफिलिंग के लिए प्रयासरत हों तो उनकी मदद की जाए। पुलिस द्वारा उनके किसी प्रकार के उत्पीड़न किये जाने की शिकायत न आये। योगी ने कोविड बेड बढ़ाए जाने के सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि लखनऊ में एचएएल द्वारा 250 बेड का अस्पताल जल्द ही क्रियाशील ही जायेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यहां के लिए मानव संसाधन की व्यवस्था कराई जाए। इसी तरह लखनऊ और वाराणसी में डीआरडीओ के सहयोग से सभी सुविधाओं से युक्त नया कोविड अस्पताल भी तैयार किया गया है। केजीएमयू में 140 बेड और बढ़ाए जाएंगे। लखनऊ में ही कैंसर अस्पताल में विशेष कोविड डेडिकेटेड अस्पताल क्रियाशील हो रहा है।

सीने में संक्रमण वाले तो कोरोना की लिस्ट में शामिल ही नहीं

गोरखपुर। कोरोना वायरस के नए-नए लक्षण सामने आ रहे हैं। एंटीजन और आरटीपीसीआर से निगेटिव लोग भी संक्रमित माने जा रहे हैं। इन संक्रमितों की पहचान छाती के सीटी स्कैन और एक्स-रे से हो रही है। जिले में बड़ी संख्या में मरीज ऐसे हैं जिनमें सीटी स्कैन और एक्स-रे के जरिए कोरोना संक्रमण की पहचान हुई है। शासन भी इन मरीजों को संक्रमित मान रहा है।

इन्हें प्रिजम्प्टिव मामले मानकर इनका कोविड अस्पतालों में इलाज की मंजूरी दे चुका है। हालांकि ये मरीज शासन की कोविड संक्रमितों की सूची में शामिल नहीं हो रहे हैं। जिले में प्रिजम्प्टिव संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सांस लेने में तकलीफ, खांसी और बुखार होने पर डॉक्टर छाती (चेस्ट) का एक्सरे या सीटी स्कैन कराने की सलाह दे रहे हैं। इस जांच में बड़ी संख्या में लोगों में संक्रमण मिल रहा है। जिले 40 रेडियोलॉजी और एक्स-रे सेंटर पर यह जांच हो रही है। हर सेंटर पर कम से कम 25 से 30 लोगों की रोजाना जांच हो

रही है। इनमें आधे संक्रमित मिल रहे हैं।

सटीक जांच छाती का सीटी स्कैन–आईएमए के सचिव और सीनियर चेस्ट फिजीशियन डॉ. बीएन अग्रवाल ने बताया कि कई बार संक्रमण आरटीपीसीआर और एंटीजन की जांच पकड़ में नहीं आता। संक्रमण को पहचानने के लिए सबसे सटीक जांच छाती का सीटी स्कैन है। फेफड़े में संक्रमण की वजह कोरोना ही है। करीब 20 फीसदी मामले ऐसे हैं। जिनमें संक्रमण को इसी तरीके से पकड़ा जा रहा है।

वायरस फेफड़े में करता है असर– बीआरडी मेडिकल कालेज के टीबी एंड चेस्ट के विभागाध्यक्ष डॉ. अश्वनी मिश्रा ने बताया कि कोरोना वायरस फेफड़े पर असर करता है। इसका पहला अटैक फेफड़े पर ही होता है। इस वजह से मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है। उसे खांसी आती है। इस संक्रमण को पहचानने का सबसे सटीक उपाय सीटी स्कैन है।

रायबरेली में प्रधान व पूर्व प्रधान समर्थकों में जमकर मारपीट, दर्जनों लोग घायल

रायबरेली। रायबरेली कें शिवगढ़ थाने के कोटवा गांव में प्रधान व पूर्व प्रधान समर्थकों में गोले दागने को लेकर पहले कहासुनी फिर जमकर बवाल हो गया जिसमें दर्जनों घायल हो गए। सूचना पर पहुंचीं पुलिस ने एक पक्ष के घायलों को अस्पताल पहुंचाया और दोनों प्रधानों को लेकर थाने चली गई। जानकारी के मुताबिक कोटवा गांव में नए चुने गए प्रधान अनिल यादव अपने समर्थकों के साथ भैसासुर महादेव मंदिर पर प्रसाद चढ़ाने के बाद घर लौट रहे थे। जैसे ही गांव के पूर्व प्रधान विनोद सिंह के दरवाजे पहुंचे कि पहले से योजनाबद्ध तरीके से घात लगाए बैठे पूर्व प्रधान और उनके भाइयों आदि दर्जनों लोगों ने प्रधान अनिल यादव और उनके समर्थकों पर हमला बोल दिया द्य हमले में उनके पक्ष के लगभग आधा दर्जन लोग घायल हो गए द्य सूचना पर पहुंची शिवगढ़ थाने की पुलिस ने स्थिति को कंट्रोल करने का प्रयास किया किंतु सफल नहीं हो पाए बवाल बढ़ता देख पुलिस के उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई। आनन-फानन मौके पर कई थानों की फोर्स ने पहुंच गई स्थिति को नियंत्रण में किया और सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। ऐतिहातन गांव मे भारी पुलिस फोर्स तैनात है। नए प्रधान अनिल यादव के पारिवारिक धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जैसे ही प्रसाद चढ़ाकर घर की ओर हम लोग आने लगे की पूर्व प्रधान विनोद सिंह मनोज सिंह आदि कई भाई तथा लगभग दो दर्जन लोगों ने हम लोगों के ऊपर आक्रमण कर दिया और लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हम लौट रहे थे और वे लोग पहले से मारपीट करने की तैयारी में बैठे थे। सूचना पर तुरंत पुलिस पहुंची है और घायलों को लेकर स्थान है तथा दोनों पक्षों को थाने ले गए।

स्मृति ईरानी के संसदीय क्षेत्र अमेठी में भाजपा-सपा में रही कांटे की टक्कर

अमेठी। स्मृति ईरानी संसदीय क्षेत्र अमेठी में कोरोना मिसमैनेजमेंट का असर कहें या स्थानीय स्तर पर सियासी कमजोरी। प्रदेश व केंद्र में सत्तासीन भाजपा के कई-बड़े दिग्गज नेताओं के परिजन पंचायत चुनाव में धराशाई हो गए हैं। इसका दंश अन्य पार्टियों के प्रभावशाली नेताओं को भी भुगतना पड़ा है।

अमेठी की जनता ने इस बार पंचायत चुनाव में जनादेश परिवारवाद के खिलाफ सुनाया है। जिला पंचायत की वार्ड संख्या 22 से चुनाव लड़ रही भाजपा के पूर्व विधायक तेजभान सिंह के परिवार की डॉ. सुनीता सिंह चुनाव हार गई। इतना ही नहीं वार्ड संख्या 23 से पूर्व मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता जंग बहादुर सिंह की पुत्रवधू भी चुनाव हार गई। वार्ड संख्या 23 से ही गौरीगंज से सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह के छोटे भाई उमेश प्रताप सिंह भी चुनाव हार गए। वार्ड संख्या 26 से राकेश प्रताप सिंह के बड़े भाई सुरेश प्रताप सिंह उर्फ मुकेश

सिंह को भी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि सियासी रूप से कट्टर प्रतिद्वंदी माने जाने वाले जगदीशपुर के राजेश विक्रम सिंह और मोहम्मद नईम के परिवार से एक - एक लोग चुनाव जीतने में कामयाब रहे।

नए चेहरों को तरजीह–जनता ने इस बार नए चेहरों को काफी तरजीह दी है। चुनाव जीतने वाले नेताओं में बड़ी संख्या पहली बार चुनाव लड़ने वालों की है। विशाल विक्रम सिंह ,अभिषेक चंद कौशिक, केडी सरोज, मोनू यादव ,मुकेश यादव ,सूबेदार यादव ,तस्लीम आरिफ समेत बड़ी संख्या में युवा इस बार चुनकर आए हैं।

निर्दल तय करेंगे किसके सिर बंधेगा सेहरा–चुनाव में भाजपा और सपा दोनों को नौ - नौ सीटें प्राप्त हुई। कांग्रेस, बसपा और जनसत्ता को दो-दो सीटें प्राप्त हुई। जबकि 12 सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशियों का कब्जा है। जिला पंचायत अध्यक्ष पद की कुर्सी हथियाने के लिए कम से कम 19 जिला पंचायत सदस्यों की आवश्यकता होगी। ऐसे में अब सारा दारोमदार निर्दल जीते प्रत्याशियों के ऊपर है। निर्दल प्रत्याशी जिस पार्टी का सपोर्ट करेंगे, उसी का जिला पंचायत अध्यक्ष होगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद गोहद जिला भिण्ड (म.प्र.)

क्रमांक/नामांतरण-शाखा/2020-21/419 गोहद दिनांक-04-05-2021

सार्वजनिक सूचना बावत् नामांन्तरण

सर्व साधारण की जानकारी के लिए एतद् द्वारा सूचना दी जाती है, कि निम्नलिखित आवेदकों के आवेदन बावत् नामान्तरण भवन/भूमि स्वामित्व व अधिपत्य प्राप्त होकर नगर पालिका अभिलेखों में नाम परिवर्तन बावत् विचाराधीन है। जिस किसी को इस बावत् कोई आपत्ति हो तो वह सूचना जारी दिनांक से अन्दर म्याद 30 विस अपनी लिखित उज्रदारी संबंधित अभिलेखों व स्वामित्व प्रमाणों सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं, निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त कोई आापत्ति स्वीकार नहीं होगी।

विवरण

क्रं.	प्र.क्र.	नाम आवेदक व पता	जिसके बजाय नामान्तरण चाहा गया है।	वार्ड क्रं./गली मोहल्ला का नाम जहां पर भवन/भू-खण्ड स्थिति है।	स्वामित्व के प्रमाण जिसके आधार पर नामान्तरण चाहा गया है।	विवरण भवन/ भूमि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	484/2020 X 3/11	श्रीमती कमला बघेल पत्नी राजकुमार वार्ड क्रं. 02 गोहद	रविपुत्र रामदास निवासी वार्ड क्रं.03 गोहद	वार्ड क्रं. 17 गोहद	रजिस्ट्री	भूमि
2.	485/2020 X 3/11	शिवचरण गुप्ता पुत्र मोतीराम गुप्ता, लीला गुप्ता पत्नि जगदीश प्रसाद गुता निवासी, गोहद	कैलाश नारायण पुत्र पारीक्षत कुशवाह निवासी कस्बा गोहद	वार्ड क्रं. 02 गोहद	रजिस्ट्री	भूमि
3.	486/2020 X 3/11	देवेन्द्र सिंह भदौरिया पुत्र भूपाल सिंह भदौरिया निवासी गोहद चौराहा गोहद	गायत्री देवी बेबा पत्नी बसन्त कुमार निवासी गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री डायवर्सन	भूमि
4.	487/2020 X 3/11	श्रीमती संतोषी बाई पत्नी भूपाल सिंह भदौरिया निवासी गोहद वार्ड क्रं. 02 गोहद	श्रीमती चन्द्रादेवी भारद्वाज पत्नीश्री रामदत्त भारद्वाज निवासी ग्राम छीमका गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री डायवर्सन	भूमि
5.	488/2020 X 3/11	सतीश कुमार श्रीवास पुत्र रिंगलाल श्रीवास निवासी वार्ड क्रं.02 गोहद	श्रीमती अनीशा बेगम उर्फ अकीता बेगम पुत्री अजीज खां निवासी फिरोजाबाद (उ.प्र.) हॉल निवासी गोहद भिण्ड 2. श्रीमती शिमिला पुत्री नाथूराम बाथम निवासी मंगरौली हॉल-गोहद	गोहदी	रजिस्ट्री डायवर्सन	भूमि
6.	489/2020 X 3/11	महेन्द्र सिंह, राजेन्द्र पुत्रगण ओमप्रकाश राठौर वार्ड क्रं. 07 गोहद	कीरत सिंह पुत्र हरगोविन्द सिंह ग्राम तेहरा तह. गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री	भूमि
7.	490/2020 X 3/11	गौरव माहौर, प्रमोद माहौर पुत्रगण हाकिम निवासी खटीक मोहल्ला वार्ड क्रं. 04 गोहद	नरेन्द्र कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद माहौर सिद्धेश्वर नगर मुरार ग्वालियर	वार्ड क्रं. 04 गोहद	रजिस्ट्री	भूमि
8.	491/2020 X 3/11	अमन ज्योति कौर पत्नी महेन्द्र सिंह वार्ड क्रं. 18 स्टेशन रोड गोहद चौराहा गोहद	सुन्दर सिंह गुरुदत्त सिंह ग्राम चक चन्दोखर हॉल निवासी वार्ड क्रं. 18 गोहद चौराहा गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री डायवर्सन	भवन
9.	492/2020 X 3/11	लखविन्दर भारिया पुत्र प्रतिमाह सिंह भारिया ग्राम चक चन्दोखर वार्ड क्रं.18 गोहद	सुन्दर सिंह गुरुदत्त सिंह ग्राम चक चन्दोखर हॉल निवासी वार्ड क्रं. 18 गोहद चौराहा गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री डायवर्सन	भवन
10.	493/2020 X 3/11	अटल बिहारी पुत्र हरीशंकर गडरौली तह. गोहद	मीरादेवी पत्नी बालाराम रठियन का पुरा वार्ड क्रं. 05 गोहद	वार्ड क्रं. 03 गोहद	रजिस्ट्री	भवन
11.	494/2020 X 3/11	विद्याराम सिंह पुत्र हुकुमसिंह गुर्जर वार्ड क्रं. 05 गोहद	जगदीश प्रसाद पुत्र गंगाधन माहौर वार्ड क्रं.04 गोहद	वार्ड क्रं. 05	रजिस्ट्री	भवन
12.	495/2020 X 3/11	श्रीमती ललिता बाई पत्नी स्व. रामसिंह वार्ड क्रं. 11 गोहद	युगलकिशोर शर्मा पुत्र रामचरन लाल शर्मा निवासी वार्ड क्रं. 11 गोहद	वार्ड क्रं. 11	रजिस्ट्री	भवन
13.	496/2020 X 3/11	कमला देवी श्रीवास पत्नी सतीश श्रीवास निवासी वार्ड क्रं.02 महावीर गंज गोहद तह. गोहद	अकीला बेगम उर्फ अनीशा पुत्रश्री अजीज खां पोरसा जिला मुरैना शिमला बाथम पुत्र नाथूराम ग्राम मकदानी हॉल निवासी माहौर वाली गली गोहद	गोहदी	रजिस्ट्री डायवर्सन	भूमि
14.	497/2020 X 3/11	श्रीमती जगदम्बा देवी पत्नी श्याम बाबू शर्मा पोरसा तह. पोरसा, मुरैना	अकीला उर्फ अनीशा, अजीज खां ग्राम पोरसा तह. पोरसा मुरैना शिमला बाथम पुत्र नाथूराम मंगरौली हॉल निवासी माहौर वाली गली गोहद	गोहदी	रजिस्ट्री डायवर्सन	भूमि
15.	498/2020 X 3/11	फरीदा बेगम पत्नी मोहम्मद असगर मोहम्मद अजुम पुत्र मोहम्मद असगर निवासी वार्ड क्रं. 37 म, नं. 15 करणजीत कालोनी भिण्ड	करनवीर सिंह भदौरिया पुत्र हरिवल्लभ सिंह भदौरिया वार्ड क्रं. 13 गोहदी गेट गोहद	वार्ड क्रं. 02	रजिस्ट्री डायवर्सन	भूमि
16.	499/2020 X 3/11	आशा झां पत्नी संजय झा वार्ड क्रमांक 03 गंज बाजार गोहद	सकुल देवी पत्नी भगवानसहिं वार्ड क्रं. 03 गोहद	वार्ड क्रं.03 गोहद	रजिस्ट्री शपथ पत्र न.पा. सूचना पत्र	भवन
17.	500/2020 X 3/11	अमीना वानो पत्नी सुरेमान खां वार्ड क्रं. 07 गोहद	सुलेमान खां रसूल खान वार्ड क्रमांक 07 गोहद	वार्ड क्रं.07 गोहद	शपथ पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
18.	501/2020 X 3/11	मनोज कुमार गुप्ता पुत्र कैलाश चन्द्र गुप्ता वार्ड क्रं. 14 गोहद	मदन लाल गुप्ता पुत्र नन्हेमल गुप्ता वार्ड क्रं. 14 गोहद	वार्ड क्रं. 14 गोहद	रजिस्ट्री	भवन
19.	502/2020 X 3/11	सोमदत्त शर्मा पुत्र लक्ष्मीनारायण शर्मा वार्ड क्रं. 07 गोहद	श्रीमती बैकुणअटी देवी पत्नी भोगीराम अजय, अरूण, पुत्रगण भोगीराम गुप्ता वार्ड क्रं. 07 गोहद	वार्ड क्रं. 07 गोहद	रजिस्ट्री	भवन
20.	503/2020 X 3/11	महेन्द्र सिंह पुत्र दिलीप सिंह गुर्जर निवासी दिलीप सिंह का पुरा	दिलीप सिंह गुर्जर पुत्र राजबहादुर सिंह	वार्ड क्रं. 13 गोहद	मृत्यु प्रमाणपत्र शपथ	भूमि
21.	504/2020 X 3/11	दीपमाला जैन पत्नी गजेन्द्र जैन वार्ड क्रं. 18 गोहद चौराहा गोहद	1.दशरथ सिंह पुत्र जोधासिंह 2.टिन्कू उर्फ अरविन्द सिंह पुत्र सोवरन सिंह 3.मंजू उर्फ महेशसिंह पुत्र सोवरन सिंह निवासी ग्राम तेहरा तह. गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री	भूमि
22.	505/2020 X 3/11	सरिता जैन पत्नी विकास जैन निवासी वार्ड क्रं. 18 गोहद चौराहा गोहद	राजवीर सिंह पुत्र वीरेन्द्र सिंह झण्डूसिंह पुत्र वीरेन्द्र सिंह ग्राम तेहरा तह. गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री	भूमि
23.	506/2020 X 3/11	सरिता जैन पत्नी विकास जैन निवासी वार्ड क्रं. 18 गोहद चौराहा गोहद	1. दशरथ सिंह पुत्र 2. टिन्कू उर्फ अरविन्द सिंह पुत्र सोवरन सिंह 3.मंजू उर्फ महेश सिंह पुत्र सोवरन सिंह निवासी ग्राम तेहरा तह. गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री	भूमि
24.	507/2020 X 3/11	रचना जैन पत्नी अजीत जैन वार्ड क्रं. 18 गोहद	1. दशरथ सिंह पुत्र जोधासिंह 2. टिन्कू उर्फ अरविन्द सिंह पुत्र सोवरन सिंह 3.मंजू उर्फ महेश सिंह पुत्र सोवरन सिंह निवासी ग्राम तेहरा तह. गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री	भूमि
25.	508/2020 X 3/11	गीता जैन पत्नी मनोज जैन वार्ड क्रं. 18 गोहद चौराहा गोहद	1. दशरथ सिंह पुत्र जोधासिंह 2. टिन्कू उर्फ अरविन्द सिंह पुत्र सोवरनसिंह 3. मंजू उर्फ महेशसिंह पुत्र सोवरन सिंह निवासी ग्राम तेहेरा तह. गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री	भूमि
26.	509/2020 X 3/11	अंजू प्रजापति पत्नी रामकुमार प्रजापति वार्ड क्रं. 12 गोहद	राममूर्ति कुशवाह पुत्र हीरालाल निवासी गोहद	वार्ड क्रं. 16 गोहद	रजिस्ट्री	भवन
27.	510/2020 X 3/11	शबनम बेगम पत्नी सफात खान वार्ड क्रमांक 08 तेलियान गली नहर मोहल्ला गोहद	जलदेवी गुर्जर पत्नी उदयसिंह ग्राम खरौआ गोहद	वार्ड क्रं. 07 गोहद	रजिस्ट्री	भवन
28.	511/2020 X 3/11	मीना जैन पत्नी राजकुमार जैन वार्ड क्रमांक 07 इस्लामपुरा गोहद	रीना जैन पत्नी दिलीप कुमार जैन सेवा नगर अमरकण्ड कालोनी ग्वालियर	वार्ड क्रं. 07 गोहद	रजिस्ट्री	प्लांट
29.	512/2020 X 3/11	मंजू बाई बेबा उदयसिंह कंषाना सुरेन्द्र,सुभाष,गुरुवेन्द्र, अरविन्द पुत्रगण उदयसिंह वार्ड क्रमांक 06 गोहद	उत्तम नारायण पुत्र	वार्ड क्रं. 02 गोहद	रजिस्ट्री पटवारी प्रमाण पत्र	प्लांट
30.	513/2020 X 3/11	विमला देवी पत्नी रामसेवक शर्मा निवासी-दबोह पर. भिण्ड	महादेव प्रसाद पुत्र पन्ने कुशवाह निवासी कस्बा गोहद	वार्ड क्रं. 02 गोहद	रजिस्ट्री पटवारी प्रमाणीकरण	प्लांट
31.	514/2020 X 3/11	राजवीर कुशवाह पुत्र पुत्तूलाल कुशवाह वार्ड क्रं. 02 गोहद	राममूर्ति कुशवाह पुत्र हीरालाल वार्ड क्रं. 16 गोहद	वार्ड क्रं. 17 गोहद	खसरा, भू-पुस्तिका रजिस्ट्री विक्रयपत्र	प्लांट
32.	515/2020 X 3/11	श्रीमती उषा देवी पत्नी आज्ञाराम ओझा निवासी लोहरी का पुरा चन्दोखर तह. गोहद	जोगेन्द्र सिंह पुत्र रणजीत सिंह विनय नगर ग्वालियर कृषक ग्राम छीमका तह. गोहद	वार्ड क्रं. 18 गोहद	रजिस्ट्री खसरा	प्लांट

उप राजस्व निरीक्षक
नगर पालिका परिषद गोहद
जिला भिण्ड (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गोहद
जिला भिण्ड (म.प्र.)

रणछोर धाम महंत वीरेन्द्रानंद महाराज का निधन, अपूर्णीय क्षति

ललितपुर। विश्व हिन्दू महासंघ ने रणछोरधाम के महंत वीरेंद्रानंद महाराज केदेवलोकगमन पर श्रद्धान्जली देते हुए अपूर्णीय क्षति बताया। वक्ताओं नेमहंतजी की धर्मपरायणता और सहृदयता को अनुकरणीय बताया उनका क्षेत्र केविकास में अकथनीय योगदान रहा। इसके अतिरिक्त धर्माचार्य प्रकोष्ठ के जिलाप्रमुख महेन्द्र त्रिपाठी जी के भ्राता भानुप्रताप तथा बबीना इकाई केप्रमुख संजय विरार के निधन पर मण्डल प्रभारी पवन जैन शिवाजी, जिलाध्यक्षहरिकिशोर नरवरिया, महेश पटैरिया, मनोज चौबे, सुख साहव, शिवम नरवरिया नेदुख व्यक्त कर अपूर्णीय क्षति बताया। सक्षम ललितपुर के नगर संगठन मंत्रीरवि प्रताप सिंह, रविराजा की मातेश्वरी सपना सेंगर के निधन पर जिलाध्यक्षअक्षय जैन, महामंत्री अजय जैन, जगभान सिंह कुशवाहा ने शोक व्यक्त किया।

लॉकडाउन का पालन कराने

बाजारों में घूमी पुलिस

दुकाने बंद कराते हुई व्यापारियों को दी चेतावनी

ललितपुर। जनपद में बढ़ रहे कोरोना वायरस को देखते हुए सप्ताह में 5 दिनका लॉकडाउन लगाया गया है। नियमों का पालन करवाने के लिए पुलिस अधीक्षकप्रमोद कुमार के आदेश पर सीओ सदर इमरान व कोतवाली प्रभारी संजय शुक्ला नेदलबल के साथ शहर में मुख्य बाजार में फ्लैग मार्च निकाल व्यापारियोंद्वारा खुली को बंद कराया गया एवं सख्त हिरायत दी गई।जिले में कोरोना संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। बढ़ते कोरोनासंक्रमण की चेन को तोडऩे के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सप्ताह में 5दिन का लॉकडाउन लगाया गया है। बता दें कि लॉकडाउन के पांचबे दिन पुलिस नेनगर के मुख्य बाजार में फ्लैग मार्च निकालकर व्यापारियों द्वारा खुलीदुकानों को बंद कराया व कोरोना गाइडलाइन का पालन करने का संदेश दिया।लेकिन कुछ दुकानदार अपनी हरकतों से बाज नहीं आये और उन्होंने दुकान कीशटर लटकाकर दुकान के बाहर बैठकर ग्राहकों से बिक्री करने के लिये उन्हेंदेख शटर खोलकर दुकान के अंदर कर बिक्री करने लगे, जिसकी सूचना मिलते हीसीओ सदर इमरान व कोतवाली प्रभारी संजय शुक्ला दलबल के साथ मुख्य बाजारमें साड़ी लाइन, काली लाइन, जगदीश मार्किट नझाई बाजार व घंटाघर पर फ्लैगमार्च कर खुली दुकानदार को पकड़ कोतवाली भेजा गया। हालांकि पुलिस नेलॉकडाउन में ज्यादा सख्ती नहीं दिखाई लेकिन चेतावनी दी है कि अगरव्यापारी नहीं मानती है तो सख्ती से कानून का पालन करवाया जाएगा।

जय अंबे रक्तदान समिति प्लाज्मा डोनर

दीपक जैन जिजयावन ने डा.अमित चतुर्वेदी को प्लाज्मा डोनेट किया

ललितपुर। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा.अमित चतुर्वेदी कोकोरोना वायरस से गंभीर रूप से संक्रमण होने के कारण प्लाजमा थेरेपी केलिए एंटीबॉडीज की आवश्यकता होने पर उन्होंने जय अंबे रक्तदान समिति सेसंपर्क किया। संस्था ने अन्नपूर्णा सेवा संघ से संपर्क किया, जिस परसंस्था के सदस्य दीपक जैन ने अपना प्लाज्मा डोनेट किया। जय अंबे रक्तदानसमिति प्लाज्मा के अलावा शहर में जरूरतमं मरीजों को रक्तदान भी लगातारकरवा रही है एवं कई अन्य सेवाएं भी इस कोरोना काल में लोगों तक पहुंचारही है और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा.अमित चतुर्वेदी से बात करने पर पताचला कि यदि व्यक्ति को समय पर फेफड़ों की स्थिति खराब होने पर समय पर अगरप्लाज्मा मिल जाए तो उसकी रिकवरी बहुत जल्दी होती है। इस मौके पर जय अंबेरक्तदान समिति अध्यक्ष दीपक राठौर, अमित प्रिय जैन, पंकज श्रीवस्तव,जितेंद्र राठौर ठेकेदार, आशीष गोस्वामी, त्रिदेव दुबे रोंडा, सलमान खान,इमरान खान, शैलेंद्र यादव जिजयावन, ललित सेन, अरमान खान, चंदन अहिरवारएवं समिति के सदस्य मौजूद रहे।

थोक विक्रेताओं की दुकानें बंद होने के कारण फुटकर मेडिकल स्टोरों पर दवाइयों की किल्लत

ललितपुर। देश व प्रदेश में लगातार कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप केचलते आम आदमी अब जरूरी दवाइयों की किल्लत झेलने को मजबूर है। वहीं दूसरीओर जिला शासन व प्रशासन द्वारा दवा के थोक व्यापार के लिए कोई गाइडलाइनजारी न करने के कारण छोटे मेडिकल स्टोरों पर कोरोना के उपचार मेंइस्तेमाल होने वाली दवाईयों की किल्लत शुरू हो गई है। दवा व्यापार सेजुड़े हॉलसेल व्यापारियों ने जिला प्रशासन से गाइडलाइन जारी करने की मांगकी है।गौरतलब है कि देश व प्रदेश के साथ जिले में भी कोरोना संक्रमण के मामलेदिन प्रतिदिन लगातार बढ़ते जा रहे हैं। जनपद में जिला प्रशासन द्वारा दवाकी हॉलसेल दुकानों के सम्बंध में कोई भी गाइडलाइन जारी न करने के चलते जबसे जनपद में लॉकडाउन की व्यवस्था लागू हुई है। तब से हॉलसेल मार्किट बंदपड़ी हैं। इस कारण कोरोना में प्रयोग होने वाली दवाइयों की किल्लत शुरूहो गई है। आलम यह है कि मरीज को इन दवाओं की जरूरत पडऩे पर अनेक मेडिकलस्टोरों के चक्कर काटने के बावजूद भी नहीं मिल पा रही है तथा फुटकर दवाओंके विक्रेताओं द्वारा पीछे से दवा न आने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़लिया जाता है।

ग्वालियर, बुधवार 5 मई 2021

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गरीबों का हित सरकार की पहली प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 379 करोड़ रूपये संबल हितग्राहियों के खातो में किए अंतरित,16 हजार 844 हितग्राही लाभान्वित

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गरीबों का हित करना राज्य शासन की प्राथमिकता में है। गरीब मजदूर वर्ग को संकट के समय संबल देने के लिये ही संबल योजना बनाई गई है। योजना में आज प्रदेश के 16 हजार 844 हितग्राहियों के खाते में 379 करोड़ रुपये अंतरित किये गये हैं। कोरोना काल के संकट में यह सहायता राशि गरीब परिवारों के लिये काफी उपयोगी साबित होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंगलवार को असंगठित क्षेत्र के गरीब श्रमिक परिवारों को मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना में सहायता राशि वितरण कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह भी वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हितग्राहियों से संवाद करते हुए कहा कि संकट के कठिन समय में संबल योजना के 16 हजार 844 हितग्राहियों को की गई आर्थिक मदद के साथ तीन माह का निःशुल्क राशन भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। कोरोना की जंग में प्रदेशवासियों का सहयोग भी जरूरी है। उन्होंने हितग्राहियों का आव्हान किया कि वे कोरोना के प्रति सावधानियाँ बरतें और स्वयं के साथ दूसरों को भी बचायें।

संबल योजना गरीबों की ताकत-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संबल योजना गरीबों की ताकत है। प्रदेश में मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना के अंतर्गत असंगठित क्षेत्र के गरीब श्रमिक परिवारो के सदस्यों की मृत्यु, अपंगता, आंशिक अपंगता की स्थिति में उन्हें अथवा उनके परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना की शुरूआत से अब तक विगत तीन वर्षो में प्रदेश के 2 लाख 44 हजार 844 हितग्राहियों अथवा उनके परिजनों के खातों में 2 हजार 286 करोड़ की राशि अंतरित की गई है। संबल योजना के अंतर्गत श्रमिकों की दुघर्टना मृत्यु पर 4 लाख रूपये की राशि उनके आश्रितों को दी जाती है। इसी प्रकार सामान्य मृत्यु अथवा स्थायी अपंगता की स्थिति में 2-2 लाख रूपये की अनुग्रह राशि मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना में दी जाती है। श्रमिक के आंशिक स्थायी अपंगता की स्थिति में उसे एक लाख रूपये की आर्थिक

सहायता एवं अंत्येष्ठि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये दिये जाने का प्रावधान भी योजना में है।

सर्वाधिक 3398 हितग्राही जबलपुर संभाग से-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सिंगल क्लिक के द्वारा भोपाल संभाग में 1645 हितग्राहियों के खातों में 3 हजार 782 लाख रूपये, चंबल संभाग में 658 हितग्राहियों को 1422 लाख रूपये, ग्वालियर संभाग में 1058 हितग्राहियों को 2404 लाख एवं इंदौर संभाग में 2 हजार 587 हितग्राहियों को 5716 लाख रूपये उनके खातों में हस्तांरित किये। जबलपुर संभाग में सर्वाधिक 3 हजार 398 हितग्राहियों को 7526 लाख रूपये,होशंगाबाद में 893 हितग्राहियों को 2062 लाख रूपये, रीवा में 1316 हितग्राहियों को 3020 लाख रूपये, सागर में 2326 हितग्राहियों को 5240 लाख रूपये ,शहडोल में 672 हितग्राहियों को 1490 लाख रूपये और उज्जैन में 2291 हितग्राहियों को 5172 लाख रूपये उनके खातों में आज हस्तांरित किये गये।

गरीब की थाली रहे न कभी खाली-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीब परिवारों को तीन माह का राशन एकमुश्त प्रदान किया जा रहा हैं। जिन्होंने अप्रैल माह के राशन का भुगतान कर दिया है। उन्हें जुलाई माह का राशन निःशुल्क दिया जायेगा। चूँकि यह लड़ाई घर में बैठकर ही लड़ी जायेगी तभी जीती जा सकती है। आपको काम पर जाने की जरूरत नहीं, राशन आपको निःशुल्क घर पर ही उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि आप लोग बीमारी को छुपाएँ नहीं। प्रारंभिक रूप से सर्दी खाँसी का पता लगते ही डॉक्टर्स को बताएँ आपको निःशुल्क मेडिकल किट दी जायेगी। आप घर पर रहकर ही ठीक हो सकते हैं।

संबल योजना के तहत ग्वालियर जिले के 346 **हितग्राहियों को 7 करोड़ 82 लाख रूपए की सहायता** -संबल योजना के तहत मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 4 मई को वर्चुअली कार्यक्रम के माध्यम से हितग्राहियों के खाते में राशि भेजी गई। ग्वालियर जिले के एनआईसी कक्ष में आयोजित कार्यक्रमों में ग्वालियर जिले के कुल 346 हितग्राहियों को 7 करोड़ 82 लाख रूपए की अनुग्रह सहायता के रूप में राशि भुगतान की गई। जिसमें 301 प्रकरण सामान्य मृत्यु के एवं 45 प्रकरण दुर्घटना मृत्यु से संबंधित थे।

ग्वालियर में आयोजित कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत श्री किशोर कान्याल, नगर निगम कमिश्नर श्री शिवम वर्मा, एडिशनल सीईओ डॉ. विजय दुबे, उपायुक्त नगर निगम श्री अतिबल सिंह, सीईओ जनपद डबरा श्री कुलदीप श्रीवास्तव एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। एनआईसी कक्ष में जो हितग्राही शामिल हुए और जिन्हें लाभ दिलाया गया, उनमें जनपद पंचायत घाटीगाँव की ग्राम पंचायत महेदपुर से श्री प्रीतम यादव को 4 लाख रूपए, ग्राम पंचायत धई जनपद डबरा की श्रीमती राजवती को 2 लाख रूपए, नगर निगम क्षेत्र से श्रीमती मनोरमा 2 लाख रूपए, श्रीमती विनती 2 लाख रूपए, श्रीमती रामप्यारी 2 लाख रूपए एवं श्रीमती मीरा कुशवाह को 4 लाख रूपए की राशि प्रदान की गई है।

एक नजर...

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सैनिटाइजेशन दल के साथ विभिन्न क्षेत्रों में किया सैनिटाइजेशन

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए योजनाबद्ध तरीके से शहर के सभी कैंटोंमेंट क्षेत्रों को सेनीटाइज करने का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत आज प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने सैनिटाइजेशन दल के साथ स्वयं उपस्थित रहकर विभिन्न क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन किया तथा आम जनों को घर पर ही रह कर कोरोना की चेन तोड़ने में सहयोग करने की अपील की। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर द्वारा आज ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वॉर्ड क्रमांक 15 में गदाईपुरा, माधवी नगर, महेन्द्र नगर, सूर्य नगर, नहर रोड, चार शहर नाका, मरघट रोड आदि क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन किया गया।उनके साथ स्थल पर स्वास्थ्य अधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव, मुख्य समन्वयक अधिकारी श्री सुशील कटारे, क्षेत्राधिकारी श्री राजेश सिंह परिहार आदि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि शहर में निरंतर बढ़ रहे कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए नगर निगम ग्वालियर द्वारा योजना बनाकर शहर को सैनिटाइज किया जा रहा है, जिसके तहत आज नगर निगम की सभी जेटिंग मशीनों द्वारा शहर में बनाए गए सभी कैंटोंमेंट क्षेत्रों के प्रत्येक भवन पर सेनीटाइजर का छिड़काव किया जा रहा है। इसके साथ ही सभी प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्रों बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सार्वजनिक शौचालय, बैंक, एटीएम आदि क्षेत्रों में सैनिटाइजर का छिड़काव कर उन्हें सैनिटाइज्ड करने का कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत विभिन्न कॉलोनियों में संक्रमित मरीजों के घर के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के मकानों एवं भवनों को सैनिटाइजर छिड़ककर सैनिटाइज किया जा रहा है। निगम के अमले द्वारा निरंतर सभी वार्डों में अलग अलग टीम बनाकर सैनिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है।

संभागीय आयुक्त एवं निगमायुक्त ने किया कैंटोनमेंट जोन का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

ग्वालियर। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने शहर में बनाए गए दो कंटोनमेंट जोनों का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। संभागीय आयुक्त एवं निगम आयुक्त ने आज हरिशंकर पुरम एवं दीनदयाल नगर क्षेत्र में बनाए गए कैंटोनमेंट जॉन का निरीक्षण किया एवं वहां की व्यवस्थाओं को देखा तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोनों क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करें एवं यहां किसी भी प्रकार से नागरिकों की आवाजाही ना हो इसका भी ध्यान रखें। इसके साथ ही जो मरीज हैं। उन्हें दवाई समय पर प्राप्त हो यह भी सुनिश्चित करें।

रेमिडेसिविर इंजेक्शन के 63 बॉक्स ग्वालियर आए

ग्वालियर। कोविड मरीजों के लिए रेमिडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए शासन द्वारा निरंतर इंजेक्शन की खेप ग्वालियर एवं संभाग के जिलों के लिए भेजी जा रही है इसी के तहत आज ग्वालियर संभाग

के लिए इंजेक्शन के 63 बॉक्स प्राप्त हुए। जिसमें से 29 बॉक्स मेडिकल कॉलेजों के लिए और शेष ग्वालियर संभाग के जिलों के लिए हैं । कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि आज प्राप्त हुए इंजेक्शन के बॉक्स ग्वालियर सहित गुना, अशोकनगर एवं दतिया के लिए है जोकि निर्धारित मात्रा अनुसार सभी जगह वितरित किए जाएंगे एवं मेडिकल कॉलेज व अन्य अस्पतालों में भी इंजेक्शन वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इंजेक्शन वितरण की व्यवस्था को पारदर्शी बनाया गया है जिसके तहत जितने भी इंजेक्शन जिस अस्पताल को दिए जाएंगे उसकी सूची भी सार्वजनिक की जाएगी। विगत दिवस वितरित किए गए इंजेक्शन की सूची जनसंपर्क विभाग एवं सोशल मीडिया के माध्यमों से सार्वजनिक की गई थी।

ग्रामीण क्षेत्र में भी किल कोरोना अभियान के तहत हों प्रभावी गतिविधियाँ

कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने प्रभारी अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर। कोविड-19 का संक्रमण ग्रामीण क्षेत्र में न फैले, इसके लिये किल कोरोना अभियान को प्रभारी रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वित किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में जन जागरूकता के साथ-साथ डोर टू डोर सर्वेक्षण का कार्य भी पूरी गति के साथ किया जाए। सर्वेक्षण के दौरान जो लोग भी प्रभावित पाए जाते हैं उन्हें संस्थागत क्वारंटाइन कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में कोविड-19 के लिये बनाए गए प्रभारी अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा है कि शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी संक्रमण की चैन को तोड़ने की जवाबदारी पूरी शिद्दत के साथ निभानी होगी। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्री किशोर कान्याल, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह, एडीएम श्री रिंकेश वैश्य, एडिशनल एसपी श्री सतेन्द्र सिंह, एसडीएम श्री प्रदीप तोमर सहित विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में निर्देश दिए हैं कि जिन ग्रामीण क्षेत्रों में भी कोरोना के मरीज निकले हैं वहाँ पर पूरे गाँव में आने-जाने पर प्रतिबंध लगाया जाए। जितनी भी आवश्यकता है उतनी बैरीकेटिंग कराकर गाँव में आवागमन कम से कम 10 दिन के लिये रोका जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि सभी ब्लॉक डबरा, भितरवार, मोहना एवं मुरार में भी ग्रामीण क्षेत्र के कोरोना प्रभावित लोगों को संस्थागत क्वारंटाइन कराने के लिये केन्द्र निर्धारित कर सभी व्यवस्थायें समय रहते पूर्ण की जाएं। इसके साथ ही डबरा, भितरवार एवं मोहना में 100 - 100 बिस्तर के अस्पताल भी चिन्हित कर सभी व्यवस्थायें जिसमें

ऑक्सीजन, चिकित्सक एवं अन्य व्यवस्थायें पूर्ण हों, तत्काल कर ली जाएँ।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि बाहर से आने-जाने वाले व्यक्तियों और वाहनों की सभी चैकिंग प्वॉइंट पर चैकिंग की जाए। कोई भी व्यक्ति प्रभावित पाया जाता है तो उसे संस्थागत क्वारंटाइन कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अनावश्यक घूमने वालो के विरूद्ध भी दण्डात्मक कार्रवाई की जाए। बैठक में यह भी तय किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वेक्षण के दौरान जो लोग कोरोना से आंशिक पीड़ित पाए जाते हैं उन्हें दवा की किट अनिवार्यतः उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्रामीण क्षेत्र में भी कोरोना संक्रमितों को दी जाने वाली दवा का पर्याप्त भण्डारण हर गाँव में हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

शहरी क्षेत्र में भी प्रतिबंधात्मक आदेशों का कड़ाई से करें पालन

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने शहरी क्षेत्र की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए हैं कि जनता कर्फ्यू के दौरान जो प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए गए हैं उसका पालन कड़ाई से किया जाए। शहर में अभी भी लोग निकल रहे हैं। अनावश्यक रूप से शहर में घूमने वालों के विरूद्ध जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन कार्रवाई करे। इसके साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने वालों और बिना मास्क के कोई भी घूमता पाया जाए तो उसके खिलाफ चालान की कार्रवाई अवश्य की जाए। कलेक्टर ने अन्य प्रभारी अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिये जो जवाबदारी सौंपी है उसका निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। इस महामारी के दौर में सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का अच्छे से निर्वहन करें तभी संक्रमण की चैन को तोड़ा जा सकेगा। बैठक में सभी प्रभारी अधिकारियों ने अपने-अपने कामों के संबंध में की जा रही गतिविधि की विस्तार से जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने शहरी क्षेत्र में नगर निगम द्वारा कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये किए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहर के सभी वार्डों में सेनेटाइजेशन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके साथ ही शहर की दोनों दीनदयाल रसोई केन्द्र के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन मुहैया कराया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत श्री किशोर कान्याल ने भी ग्रामीण क्षेत्र में किल कोरोना अभियान के तहत किए जा रहे सर्वेक्षण के साथ-साथ कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिये किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह ने कंट्रोल कमाण्ड सेंटर के माध्यम से की जा रही मॉनीटरिंग के संबंध में जानकारी दी।

18 वर्ष से 44 वर्ष तक के युवाओं का टीकाकरण आज से

ग्वालियर में जेएएच में टीकाकरण होगा

ग्वालियर। प्रदेश में 18 वर्ष से 44 वर्ष तक के व्यक्तियों को निःशुल्क वैक्सीनेशन का कार्य 5 मई से प्रारंभ हो रहा है। ग्वालियर जिले में अनुमानित 10 लाख से अधिक युवाओं को इसका लाभ मिलेगा। वैक्सीनेशन के लिये 18 वर्ष से 44 वर्ष तक के व्यक्तियों को आरोग्य सेतु एवं कोविड पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन के लिये प्री-रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि ग्वालियर जिले में 5 व 6 मई को जयारोग्य चिकित्सालय समूह में 18 वर्ष से 44 वर्ष तक के चिन्हित 100 व्यक्तियों को प्रतिदिन टीका लगाया जायेगा। चिन्हित संभावित हितग्राहियों को मोबाइल पर प्राप्त एसएमएस दिखाना होगा। इसके साथ ही जिले में चिन्हित 79 स्थानों पर 45 वर्ष से अधिक का टीकाकरण पूर्व ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन कराकर भी टीकाकरण का प्रथम एवं द्वितीय डोज लगाया जायेगा। उन्होंने बताया कि को-वैक्सीन का द्वितीय डोज जयारोग्य चिकित्सा व सिविल अस्पताल हजीरा में निर्धारित हितग्राहियों को लगाया जायेगा।

हाथकरघा एवं हस्तशिल्प में सहायता हेतु 12 मई तक आवेदन आमंत्रित

ग्वालियर। हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय भोपाल द्वारा कौशल एवं तकनीकी विकास योजना 2021 के अंतर्गत कुशल बनुकर, औद्योगिक समितियों, उद्यमियों, स्व-सहायता समूह एवं अशासकीय संस्थाओं को वर्ष 2021-22 के लिये योजना के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सहायता एवं उपकरण प्रदान करने का प्रावधान है। सहायक संचालक हाथकरघा ग्वालियर से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण, उपकरण एवं अन्य सहायता के लिये संबंधितों से आवेदन पत्र 12 मई तक आमंत्रित किए गए हैं। विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालयीन समय में जिला हाथकरघा कार्यालय ग्वालियर से संपर्क किया जा सकता है।

पंचायत एवं मनरेगा
के समस्त अभिलेख के थोक
एवं खेरिज विक्रेता

मनीष बंसल
मो.नं. 9755898938
पता-कल्पना नगर मुरार.

P TV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478